

फिर उठा केंद्रीय कर्मियों-सशस्त्र बलों के लिए 8वें वेतन आयोग का मुद्दा...

नई दिल्ली/ए. संसद के शीतकालीन सत्र में सांसदों द्वारा केंद्र सरकार के कर्मचारियों और सशस्त्र बलों के लिए आठवें वेतन आयोग का गठन कब होगा, यह सवाल पुछ जा रहा है। विभिन्न दलों के सांसद, आठवें वेतन आयोग को लेकर प्रश्न पुछ चुके हैं। क्या सरकार, आठवें सीपीसी का गठन नहीं करने के कारण केंद्र सरकार के कर्मचारियों में व्याप्त आक्रोश से अवगत है तथा यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है। जब यह सवाल पुछा गया तो केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जवाब देते हुए कहा, वर्तमान में, सरकार के पास केंद्र सरकार के



कर्मचारियों के लिए आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने दिया ये जवाब

लोकसभा में तीन सांसदों ने पूछ सवाल

संसद सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा सांसद जय प्रकाश, आनंद भवैरिया और वी. वैथिलिंगम ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) के गठन पर सरकार से सवाल पुछा था। सांसदों ने पुछा, क्या केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग का गठन फरवरी, 2013 में किया गया था। दूसरा, यदि हां, तो सातवें सीपीसी के गठन के 10 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक आठवें सीपीसी का गठन नहीं करने तथा अभूतपूर्व मूल्य वृद्धि/जीवनन्यापन लागत और कर्मचारियों की दुर्दशा को नजरअंदाज करने के क्या कारण हैं। तीसरा, क्या सरकार आठवें सीपीसी का गठन नहीं करने के कारण केंद्र सरकार के कर्मचारियों में व्याप्त आक्रोश से अवगत है। यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है। चौथा, क्या सरकार केंद्रीय कर्मचारियों, सशस्त्र बलों आदि के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन पर विचार कर रही है। पांचवां, यदि हां, तो इसकी घोषणा कब तक की जाएगी।

मंत्री ने कहा, वर्तमान में, सरकार के पास केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए

आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। यदि हां, तो आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग की घोषणा कब तक की जाएगी, इस सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री ने कहा, प्रश्न ही नहीं उठता। केंद्र सरकार के इस जवाब से 48 लाख कर्मचारियों और लगभग 65 लाख पेंशनरों को तगड़ा झटका लगा है।

राज्यसभा सांसदों ने भी पूछा था ये सवाल

इससे पहले वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में यह बात साफकर दी थी कि आठवें वेतन आयोग के गठन का कोई भी प्रस्ताव, सरकार के समक्ष

विचाराधीन नहीं है। मौजूदा समय में डीए/डीआर की दर 53 प्रतिशत पर पहुंच गई है। संसद सत्र में आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर राज्यसभा सांसद जावेद अली खान और रामजी लाल सुमन ने सवाल पुछा था। सांसदों ने जानना चाहा कि क्या सरकार 2025 के बजट के दौरान आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर सक्रिय है। क्या सरकार की वित्तीय स्थिति, कर्मचारियों के वेतनमान में वृद्धि करने की इजाजत नहीं दे रही। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उक्त सवाल के जवाब में कहा था, सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

■ न्यूज गैलरी

सीएम के काफिले की गाड़ी पलटी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में तैनात एक गाड़ी एक अन्य गाड़ी को बचाने के चक्कर में पलट गई, जिससे उसमें सवार जवान घायल हो गए। मुख्यमंत्री खुद घायलों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल लेकर गए हैं। जानकारी के अनुसार सीएम के काफिले की एक गाड़ी एक वाहन को बचाने के चक्कर में एक अन्य चोपहिया वाहन से भिड़ गई, इससे गाड़ी में मौजूद कर्मियों को मामूली चोटें आई हैं। साथ ही दूसरी गाड़ी में सवार चालक को भी गंभीर चोटें आई हैं। जिसे सीएम खुद महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे और घायलों के तुरंत इलाज के निर्देश दिए। एक्सिडेंट के बाद एनआरआई स्कूल के पास ट्रैफिक को नियंत्रित किया गया है। गाड़ी में सवार कर्मी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। आगे की जानकारी अपडेट की जा रही है।

अफगानिस्तान में जोरदार बम धमाके में मंत्री की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक धमाके में तालिबान के शरणार्थी मंत्री खलील हकानी की मौत हो गई है। आंतरिक मंत्रालय के अधिकारी ने इस घटना की पुष्टि की है। घटना के कारणों और विस्फोट के पीछे के जिम्मेदार लोगों की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हुई है। तालिबान की सुरक्षा एजेंसियां मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। खलील हकानी अफानिस्तान में आने वाले शरणार्थी संकट को संभाल रहे थे। वह शक्तिशाली हकानी नेटवर्क के वरिष्ठ सदस्य और तालिबान सरकार के गृह मंत्री व वरिष्ठ नेता सिराजुद्दीन हकानी के चाचा थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुधवार को एक मस्जिद में हुए शक्तिशाली विस्फोट में उनकी मौत हो गई। विस्फोट में हताहतों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। तालिबान नेतृत्व ने हकानी की मौत की पुष्टि नहीं की है। खलील हकानी जलालुद्दीन हकानी के भाई थे, जिन्होंने खूंखार हकानी नेटवर्क की स्थापना की थी। हकानी

जातिवादी मराठा उपद्रवियों ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर भारतीय संविधान की धज्जिया उड़ाई

परभणी में संविधान के अपमान पर बवाल, हिंसा आगजनी के बाद पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

मुंबई। महाराष्ट्र के परभणी से हिंसा और आगजनी की खबरें आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, यहां कुछ उपद्रवी तत्वों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान का अपमान किया। इससे लोग नाराज हो गए। अंबेडकर और संविधान का अपमान देख लोग भड़क गए। देखते ही देखते मामला तोड़फेड़ तक पहुंच गया। लोगों ने जमकर पत्थरबाजी की। नाराज भीड़ ने इलाके में कई जगह आगजनी की। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

एक उपद्रवी किया गया गिरफ्तार

वर्चित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर ने घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि परभणी में जातिवादी मराठा उपद्रवियों ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर भारतीय संविधान की धज्जिया उड़ाई। यह बहुत ही शर्मनाक है। यह पहली बार नहीं है, जब बाबासाहेब और उनके द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान किया गया है। वीबीपी परभणी जिले के कार्यकर्ता सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और उनके विरोध प्रदर्शन के कारण पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने उपद्रवियों में से एक को गिरफ्तार भी किया है। परभणी के डीएम युनाथ खांडू गावड़े ने



वारदात की जांच की मांग कर रहे थे प्रदर्शनकारी

पुलिस ने यह भी कहा कि हम सभी से कानून और व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध करता हूं। अगर अगले 24 घंटों के भीतर सभी उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो परिणाम भुगतने होंगे। कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक यशवंत काले ने कहा कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे एक दुकान के बाहर पाइपों में आग लगा दी गई। जैसे ही भीड़ हिंसक हो गई, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें तितर-बितर किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पुलिस को पता लगाना चाहिए कि तोड़फेड़ की घटना के पीछे कौन था? स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के वासमत इलाके में भी बंद रहा।

कहा कि पुलिस प्रशासन सड़क पर है। हमने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। हमने अतिरिक्त पुलिस बुला ली है। इसलिए मैं सभी से शांति और सोहार्द बनाए रखने की अपील करता हूं।

कलेक्टर कार्यालय में तोड़फोड़

पुलिस ने बताया कि भारतीय संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाने पर मध्य महाराष्ट्र के परभणी शहर

मथुरा की शाही मस्जिद ईदगाह समिति ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। मथुरा की शाही मस्जिद ईदगाह समिति ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया जिसमें पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को चुनौती देने वाली याचिकाओं में हस्तक्षेप करने की मांग की गई।

समिति का कहना है कि पूजा स्थल अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर निर्णय से आवेदक पर सीधे तौर पर असर पड़ने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु सरकार को पूछ में सभी हिंदू मंदिरों के लिए अरंगवलर समिति (ट्रस्टी समिति) की नियुक्ति के संबंध में उठाए जाने वाले कदम के बारे में बताते का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एम एस सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने तमिलनाडु सरकार के वकील से कहा, 'आप (राज्य सरकार) क्या करने वाले हैं, इस बारे में हलफनामा दाखिल करें।'

यह निर्देश तब आया जब राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसने 31,000 मंदिरों से ट्रस्टी समितियों की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे थे और ऐसे पैलन 7,500 से अधिक



मंदिरों में नियुक्त किए गए हैं, क्योंकि कई मंदिरों ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। पीठ ने राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया और याचिकाकर्ता हिंदू धर्म परिषद और याचिकाकर्ता हिंदू धर्म परिषद की याचिका को फरवरी, 2025 में सूचीबद्ध किया। राज्य सरकार के वकील ने कहा कि सरकार द्वारा इस संबंध में विज्ञापन जारी करने के बावजूद मंदिरों के ट्रस्ट में नियुक्ति नोट बहुत कम लोग सामने आए। याचिकाकर्ता निकाय के वकील ने दावा किया कि राज्य में लगभग 40,000 मंदिर हैं और रखरखाव न होने के कारण कई पुराने मंदिर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भक्तों द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे का कम से कम 10

प्रतिशत मंदिरों के रखरखाव पर खर्च किया जाना चाहिए।

पीठ ने दिसंबर, 2021 के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिकाकर्ता की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जब न्यायमूर्ति पुष्पा सत्यनारायण ने राज्य के सभी हिंदू मंदिरों के लिए अरंगवलर समिति की नियुक्ति की याचिका खारिज कर दी थी।उच्च न्यायालय में दायर याचिका में मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए ऐसी समितियों में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, एक सामाजिक कार्यकर्ता, एक भक्त, अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति के अलावा एक महिला को शामिल करने की मांग की गई थी।

'पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका की तरह खतरे में भारत का लोकतंत्र': नाना पटोले

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने बुधवार को पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से भारतीय लोकतंत्र की तुलना की और दावा किया कि यह खतरे में है और इस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है। पटोले ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर भी सवाल उठाए और कहा कि सोलापुर जिले के मारकडवाड़ी गांव में एक जन आंदोलन उभर रहा है, जहां के निवासी ईवीएम पर शक जता रहे हैं और मतपत्रों से दोबारा चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

सीरिया को गवांकर ईरान का पारा चढ़ा, खामेनेई ने अमेरिका-इजरायल पर लगा दिया बड़ा आरोप

तेहरान। सीरिया में 13 साल से चल रहे गृहयुद्ध के बाद विद्रोहियों ने बशर अल-असद को सत्ता से बेखदल कर दिया है। ईरान ने शिया समुदाय के असद को सत्ता में रखने के लिए बड़ी मशकत थी और इसीलिए उनकी सरकार का पतन ईरान के लिए यह एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सीरिया में विद्रोही गुटों ने नई सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दी और देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के नाम का भी ऐलान कर दिया है। इससे ईरान का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया है। अब ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कहा है कि सीरिया में जो कुछ हुआ वह अमेरिका और इजरायल की योजना का नतीजा है। बुधवार को देश ने हजारों लोगों को संबोधित



करते हुए अयातुल्ला खामेनेई ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि सीरिया में जो कुछ हुआ वह अमेरिकी-जियोनी साजिश का नतीजा है।" खामेनेई ने इस बात पर जोर दिया है कि पड़ोसी देशों ने भी पूरी प्रक्रिया में स्पष्ट भूमिका निभाई लेकिन असली साजिश अमेरिका और इजरायल ने रची थी। उन्होंने कहा, "हां, सीरिया के एक पड़ोसी देश ने स्पष्ट रूप से इस मामले में

भूमिका निभाई और ऐसा करना जारी रखा। पर सब जानते हैं कि असली साजिश और कमांड सेंटर अमेरिका और इजरायल में है।" अयातुल्ला खामेनेई ने यह भी कहा कि उनके पास इसके सबूत भी हैं। उन्होंने कहा, "हमारे पास ऐसे सबूत हैं जो इसकी पुष्टि करते हैं।" इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीरिया की नई सरकार को चेतावनी दे दी है। नेतन्याहू ने मंगलवार को स्पष्ट रूप से कहा है कि सीरिया अगर ईरान को किसी भी तरह से समर्थन करेगा तो अंजाम ठीक नहीं होगा। नेतन्याहू ने कहा कि सीरिया अगर ईरान का समर्थन या हिजबुल्लाह के लिए हथियार भेजने में ईरान की मदद करेगा, तो उसका वही हश्र होगा जो बशर अल-असद की सरकार का हुआ।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए केंद्र

दीक्षा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्र सरकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और यह भी कहा कि जो लोग वापस भारत आना चाहते हैं, उन्हें वापस लाया जाए। बनर्जी ने यह बात दीक्षा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। मुख्यमंत्री दीक्षा में जगन्नाथ मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा चाहते हैं। केंद्र को इस मामले में कदम उठाना चाहिए। उन्हें उन



लोगों को भी वापस लाना चाहिए जो भारत आना चाहते हैं।

ममता ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर फर्नी वीडियो फैलाकर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक कुल आबादी का करीब आठ फीसदी हैं, जो हाल के महीनों में हिंसा की शिकार हुए हैं। इस साल अगस्त में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरने के बाद से बांग्लादेश में करीब 50 जिलों में

लोगों को भी वापस लाना चाहिए जो भारत आना चाहते हैं।

ममता ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर फर्नी वीडियो फैलाकर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक कुल आबादी का करीब आठ फीसदी हैं, जो हाल के महीनों में हिंसा की शिकार हुए हैं। इस साल अगस्त में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरने के बाद से बांग्लादेश में करीब 50 जिलों में

हिंदू समुदाय पर हमले हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

विपक्षी नेताओं की ओर से 'इंडिया' ब्लॉक की नेता के रूप में समर्थन मिलने पर ममता बनर्जी ने कहा, मैं सभी नेताओं की आभारी हूं, जिन्होंने सम्मान दिया है। मैं सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हूं। वे स्वस्थ रहें, उनकी पार्टी स्वस्थ रहे। भारत स्वस्थ रहे।

प्रताड़ना....

अतुल की खुदखुशी से उठा दहेज कानून के दुरुपयोग मुद्दा, कानून परेशान करने वालों के साथ

जौनपुर। इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या करने से पहले रविवार की रात करीब नौ बजे अपने पिता से मोबाइल फोन पर डेढ़ घंटे बात की थी। वह सामान्य तरह से पिता का हालचाल पूछ रहे थे। परिवार की कुशलक्षेम पूछी। पिता ने हालचाल पूछा तो सबकुछ अच्छा बताया। इससे तीन घंटे पहले भाई से बात की तो उससे कहा हमेशा खुश रहना। किसी को अंदेशा नहीं था कि अतुल इतना बड़ा कदम उठा लेगे।

अतुल सुभाष के छोटे भाई विकास ने बताया कि मेरा भाई

कभी झूठ नहीं बोल सकता है। मैं, उसे बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। उसने अपनी जान देकर दुनिया को सब बताया है। पूरे सिस्टम को आईना दिखाया है। शादी क्या होती है और उसे क्या बना दिया गया, ये बताया है उसने। उसका सुसाइड नोट पढ़िए, वीडियो देखिए, उसने एक-एक बात कही है।

हमने तो अपना भाई खो दिया...

विकास ने कहा कि हमने तो अपना भाई खो दिया। वह अपने छोटे से बेटे से बात करने को तरसता था। उसे देखने के लिए



वीडियो कॉल करता था, लेकिन उसे दिखाया ही नहीं जाता था। यह बात उसने कोर्ट में भी कही, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

अतुल ने भाई से कहा था-

खुश रहा करो...

विकास ने कहा कि मेरे भाई ने इस पूरे केस में सुप्रीम कोर्ट को भी पत्र लिखा है। मैं रविवार की शाम फैमिली व्हाट्सअप ग्रुप में अपना

मस्क और ट्रंप को टैग किया सुसाइड नोट व वीडियो

अतुल सुभाष ने खुदकुशी से पहले सोशल मीडिया पर वीडियो का लिंक शेयर किया और एलन मस्क व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को टैग किया। उन्होंने पोस्ट में कहा, जब आप इसे पढ़ेंगे, तब तक मैं मर चुका होऊंगा। भारत में इस समय पुरुषों का कानूनी तरसंहार हो रहा है। एक मरा हुआ आदमी एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप से अनुरोध कर रहा है कि वे भारत में जागृत विचारधाराओं, डीईआई से लाखों लोगों की जान बचाएं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल करें।

एक फेडो डाला था। उसे देखकर उसने मुझे फोन किया था। कहा था कि अच्छे लग रहे हो, हमेशा ऐसे ही रहना और खुश रहा करो। यह मेरे भाई से मेरी अंतिम बातचीत थी।

मैं जितना अधिक मेहनत करूंगा और अपने काम में बेहतर होता जाऊंगा, उतना ही मुझे और मेरे परिवार को परेशान किया जाएगा। जबरन वसूली की जाएगी और पूरी कानूनी व्यवस्था मुझे परेशान करने वाली के साथ है। मेरे पैसे से मेरे दुश्मन मजबूत हो रहे हैं। मैं अपने वेतन पर जो टैक्स देता हूं, उससे पुलिस और कानूनी व्यवस्था मुझे और मेरे परिवार को परेशान करने में मदद कर रही है। अब, मेरे जाने के बाद, कोई पैसा नहीं होगा और मेरे बड़े माता-पिता और मेरे भाई को परेशान करने का कोई कारण नहीं

होगा। मैंने भले ही अपने शरीर को नष्ट कर दिया हो, लेकिन इसने वह सब कुछ बचा लिया है जिस पर मैं विश्वास करता हूं। अतुल ने सास निशा सिंहानिया के साथ बातचीत का एक किस्सा भी साझा किया। अतुल के मुताबिक उनकी सास ने पूछा कि अभी तक आत्महत्या क्यों नहीं की। जब अतुल ने जवाब दिया कि अगर वह मर गया तो उन्हें पैसे कैसे मिलेंगे, तो सास बोलीं तुम्हारे पिता पैसे देंगे। तुम्हारे बाद तुम्हारे माता-पिता मर जाएंगे, और तुम्हारी पत्नी को पैसे मिलेंगे।



■ न्यूज गैलरी

स्ट्रॉबेरी की खेती से
जनजातीय किसानों के
जीवन में आई मिठास

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले में जब पारम्परिक खेती से आगे बढ़ने की बात आई, तो जनजातीय किसानों ने एक नई दिशा में कदम रखा। जिले के प्रगतिशील किसान श्री रमेश परमार और साथी अन्य किसानों ने अपनी हिम्मत, मेहनत और नवाचार से असंभव को संभव बना दिया है।

पारम्परिक खेती से उद्यानिकी की ओर

जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र में पहली बार स्ट्रॉबेरी की खेती का प्रयोग शुरू हुआ। परम्परागत रूप से ज्वार, मक्का और अन्य सामान्य फसलों के लिए जाने जाने वाले इस इलाके में अब किसानों ने उद्यानिकी फसलों की ओर रुख किया है। जिले के रामा ब्लॉक के तीन गांवों भुराडाबरा, पालेड़ी और भंवरपिपलिया में आठ किसानों के खेतों में स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाए गए। झाबुआ में, स्ट्रॉबेरी सामान्यतः ठंडे इलाकों की फसल है, को यहां अनुकूलित परिस्थितियों में उगाने का प्रयोग किया गया। महाराष्ट्र के सतारा जिले से 5000 पौधे आमवाकर हर किसान के खेत में 500 से 1000 पौधे लगाए गए। हर पौधे की कीमत मात्र 7 रुपये थी, लेकिन इसे उगाने की प्रक्रिया ने किसानों को बागवानी की उन्नत और आधुनिक तकनीकों से रूबरू कराया।

रोटला गांव के रमेश परमार ने अपने खेत में ड्रिप और मल्टिचंग तकनीक का उपयोग कर 1000 स्ट्रॉबेरी पौधे लगाए। वे बताते हैं कि «पहले बाजार में इन फलों को देखा था, लेकिन खरीदने की हिम्मत कभी नहीं हुई। अब जब खुद के खेत में आ गए, तो इसका स्वाद भी चखा और इसकी उच्च कीमत का महत्व भी समझा।

रमेश ने 8 अक्टूबर 24 को पौधों की बुवाई की थी और केवल तीन महीनों में फलों की पैदावार शुरू हो गई। वर्तमान में बाजार में स्ट्रॉबेरी की कीमत 300 रुपये प्रति किलो है। फिलहाल उन्होंने अपनी पहली फसल घर के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ बांटी है।

समूह की सफलता

रमेश अकेले नहीं हैं। उनके साथ अन्य किसान भंवरपिपलिया के लक्ष्मण, भुराडाबरा के दीवान, और पालेड़ी के हरिराम ने भी अपनी जमीन पर स्ट्रॉबेरी उगाई है। सभी किसानों के पौधों में फल लगने शुरू हो गए हैं। ये किसान अपनी उपज को लोकल हाट-बाजार और हाईवे के किनारे बेचने की योजना बना रहे हैं।

नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

झाबुआ जिले की यह पहल न केवल कृषि नवाचार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की ओर एक ठोस कदम भी है। यह झाबुआ जिले के जनजातीय किसानों ने साबित किया है कि सही मार्गदर्शन, तकनीक और मेहनत से किसी भी क्षेत्र में अपार संभावनाएं पैदा की जा सकती हैं।

आर्थिक और सामाजिक बदलाव की ओर बढ़ रहे जनजातीय किसान

स्ट्रॉबेरी की खेती से न केवल इन किसानों की आमदनी बढ़ने की उम्मीद है, बल्कि यह दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। यह पहल झाबुआ जिले के लिए उद्यानिकी खेती का एक नया अध्याय खोलेगी। झाबुआ के जनजातीय किसान सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े बदलाव की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

हर घर नल से जल प्रदाय के लिये सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल/नवप्रदेश। प्राणवायु के बाद स्वच्छ जल सबकी बुनियादी जरूरत है। राज्य सरकार हर घर नल से जल योजना में सबको स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिये प्रयासरत है। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) में विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की बसाहटों में भी विशेष प्राथमिकता से %नल से स्वच्छ पेयजल% आपूर्ति की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रदेश में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातियों (पीवीटीजी) की बहुलता वाले 11 जिलों के 360 गांवों की 432 प्रबल पीवीटीजी बसाहटों में यह काम तेजी से जारी है। राज्य सरकार इन बसाहटों में रहने वाले 5 हजार 783 पीवीटीजी परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देकर सामुदायिक रूप से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की स्थायी व्यवस्था कर रही है। इन सभी बसाहटों में फिलहाल तेजी से काम जारी है, जिसे 31 दिसम्बर 2024 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। इस पूरे काम में 60 करोड़ 19 लाख 95 हजार रूपये व्यय किये जा रहे हैं। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि पीवीटीजी समुदाय के सभी जनजातीय बंधुओं को नल से जल उपलब्ध कराने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। सबको स्वच्छ जल प्रदान करने के लिये लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग योजनाबद्ध रूप से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम जन-मन योजना में उमरिया जिले के सर्वाधिक 91 गांवों की 102 पीवीटीजी बसाहटों, मंडला जिले के 61 गांवों की 61 बसाहटों, अनूपपुर जिले के 55 गांवों की 57 बसाहटों, छिंदवाड़ा जिले के 41 गांवों की 73 बसाहटों, शहडोल जिले के 38 गांवों की 39 बसाहटों, बिड़रिया जिले के 26 गांवों की 50 बसाहटों, डिंडोरी जिले के 22 गांवों की 24 बसाहटों, सीधी जिले के 13 गांवों की 13 बसाहटों, बालाघाट जिले के 8 गांवों की 8 बसाहटों, छिंदवाड़ा जिले के 4 गांवों की 4 बसाहटों तथा नरसिंहपुर जिले के 1 गांव की 1 पीवीटीजी बसाहट में हर घर नल से स्वच्छ जल आपूर्ति के लिये तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम जन-मन में पीएचए ने 3 हजार 928 पीवीटीजी बहुल गांवों की 5 हजार 161 बसाहटों में हर घर नल से स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य

सांदीपनि के मोहन अब सत्ता में रहकर प्रदेश में ला रहे कल्याण और विकास की नई लहर



आलोक मेहता
(पंच श्री , संपादक लेखक)

श्री कृष्ण के शिक्षा स्थल उज्जयिनी में आज भी संदीपनी आश्रम श्रद्धा और प्रेरणा का केंद्र है । लेकिन शायद श्रीकृष्ण के द्वारपर युग से प्रकाश चंद्र सेठी के सत्ता काल में रही अपेक्षाओं आशाओं को पूरा करने का समय और नेता पहली बार विशाल मध्य प्रदेश की सत्ता के सिंहासन पर बैठा है ।मुख्य मंत्रों के रुप में मोहन यादव के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने जा रहा है ।इस कम अवधि में जिस तेजी से उज्जैन ही नहीं इंदौर के अलावा सुदूर रीवां , जबलपुर , ग्वालियर इलाकों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा , स्वास्थ्य , उद्योग , परिवहन , पानी , बिजली और मकान की सुविधाओं

विकास और कल्याण के कार्यक्रमों की पहल सचमुच एक नया अध्याय है ।अब इसे अपने गृह नगर के प्रति या पूर्वाग्रह मत समझिये , क्योंकि उसी संदीपनी के शिक्षा केंद्र से निकल दिल्ली महानगर आए लगभग 53 वर्ष हो गए हैं और उज्जैन इंदौर के अलावा मध्य प्रदेश के नेताओं मुख्यमंत्रियों से संपर्क और पत्रकारीय सम्बन्ध रहे हैं ।प्रदेश के ही नहीं राष्ट्र के शीर्ष नेता रहे डॉक्टर डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा से वर्षों तक मिलने और बातचीत का सौभाग्य रहा है ।हाँ , स्वयं मोहन यादवजी से न अधिक मुलाकातें हुईं और न ही नजदीकी सम्बन्ध रहे ।इसलिए तटस्थ भाव से कह सकता हूँ कि मध्य प्रदेश के लिए मोहन यादव प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पूर्ण विश्वास और प्रदेश में सरकार के भारी बहुमत तथा पार्टी का सम्पूर्ण समर्थन होने के कारण बहुत तेज गति से विधान योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं ।

राजनीति से हटकर सफलता का एक बड़ा कारण यह भी लगता है कि सामान्य परिवार , सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि शिक्षा में विज्ञान , कानून , प्रबंधन की डिग्रियों के साथ दर्शन शास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि की योग्यता से मोहन यादव

तात्कालिक चुनौतियों और कार्यों के साथ विकसित भारत में अपनी महाकाल नगरी और प्रदेश के दूरगामी विकास के लिए योजनाओं का शंखनाद कर रहे हैं ।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संच , विद्यार्थी परिषद और



फिर भाजपा में शिवराज सिंह और कैलाश विजयवर्गीय के साथ नरेंद्र मोदी , अमित शाह के साथ संबंधों के संस्कार मोहन यादव की राजनीतिक सामाजिक प्रशासकीय जमीन अधिक मजबूत बना रहे हैं ।एक कारण यह भी है कि मोहनजी को भाजपा के लम्बे शासन काल के दौरान जनता को दिए गए लाभ और उनकी कठिनाइयों चुनौतियों का अनुभव था ।शिवराज सिंह के साथ

शिक्षा मंत्री रहते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की नई शिक्षा नीति को जितनी तेजी से उन्होंने क्रियान्वयन शुरू किया , मेरी अपनी जानकारी के अनुसार किसी अन्य राज्य सरकार ने नहीं किया ।हाँ , शिक्षा राज्य का विषय है

प्रसाद मिश्र , शंकर दयाल शर्मा , सेठ गोविन्द दास , डॉक्टर शिवमंगल सिंह सुमन , श्रीकृष्ण सरल जैसी शिक्षा संस्कृति की विभूतियों का है ।इंदौर , ग्वालियर , जबलपुर , ग्वालियर रीवां आदि मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर प्रदेश से अधिक देश विदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं ।स्वास्थ्य लाभ के लिए प्राकृतिक अनुकूल इलाका है ।पर्यटन में धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी उज्जैन , ओंकारेश्वर से लेकर नर्मदा चम्बल के सुन्दर किनारों जबलपुर , ग्वालियर , रीवां , कान्हा अभ्यारण्य और भेड़ाघाट , पचमढ़ी दुनिया के आकर्षण केंद्र बन रहे हैं ।

इसे कुछ हद तक दुर्भाग्य कहा जाएगा कि मध्य प्रदेश में द्वारका प्रसाद मिश्र , गोविन्द नारायण सिंह , श्यामाचरण शुक्ल , प्रकाशचंद्र सेठी , अर्जुन सिंह , मोतीलाल बोरा , दिग्विजय , कमलनाथ जैसे कांग्रेस के अनेक अनुभवी और शिक्षित मुख्यमंत्री आए , लेकिन वे आपसी राजनीतिक खींचातानी और कुछ हद तक अस्थिरता और भ्रष्टाचार के आरोपों में उलझे रहे और आला कमान के हस्तक्षेप ने भी उन्हें बढ़ने नहीं दिया ।इसलिए प्रदेश के विकास की गति धीमी रही ।जनता

पार्टी राज में कैलाश जोशी , सुंदरलाल पटवा या भाजपा की उमा भारती और बाबूलाल गौर कम अवधि के लिए मुख्यमंत्री रहे ।शिवराज सिंह चौहान के लम्बे कार्यकाल से मध्य प्रदेश में विकास और कल्याण की योजनाएं केंद्र में मोदी सरकार के व्यापक सहयोग से अधिक अच्छी तरह क्रियान्वित होती रहीं ।इस दृष्टि से मोहन यादव को भी पार्टी और केंद्रीय नेतृत्व और बहुत हद तक प्रदेश की स्थानीय संस्थाओं , पंचायत , नगर पालिका - निगमों और जनता का सहयोग मिलने पर औद्योगिक विकास एवं रोजगार उपलब्ध कराने में असाधारण सफलता मिलने की स्पष्ट संभावनाएं दिख रही हैं ।मुख्यमंत्री बनने के बाद उज्जैन के बाद प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों या मुंबई , कोलकाता में उद्यमी निवेश सम्मलेन , ब्रिटेन और जर्मनी में भी बैठकों से विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश के समझौते होना एक नया विश्वास पैदा करता है ।हाँ , अपेक्षाओं का पहाड़ है और विकसित भारत का 2047 के लक्ष्य के लिए प्रतियोगिता कम नहीं होगी ।फिर भी पहले वर्ष में बनती सुनहरी तस्वीर मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश को सही अर्थों में गौरवशाली प्रदेश बना सकती है । हमारी शुभकामनाएं ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत श्री सियाराम बाबा को दी श्रद्धांजलि

कटनी में 8 महीने की बच्ची जिंदा जली



मां धूप में सुला गई, भाई-बहन ने खेल-खेल में जलती तीली फेंकी; बचाने में पिता झुलसे

कटनी/नवप्रदेश। कटनी में 8 महीने की बच्ची आग में जिंदा जल गई। मां ने मालिश करने के बाद उसे धूप में खटिया पर सुला दिया था। बड़े भाई-बहन ने खेल-खेल में मांचिस की जलती तीली खटिया के पास रखे भूसे पर फेंक दी। आग भड़की और खटिया को चपेट में ले लिया। हादसा कटनी के माधवनगर थाना इलाके के झिड़री में सोमवार सुबह हुआ। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।बच्ची सोनिया के पिता राजू कुशवाहा ने बताया कि वह कटनी जिले के बांधा-झुलजाज गांव का रहने वाला है। परिवार के भरण-पोषण के लिए उसने झिड़री में मुन्ना गुमास्ता के तीन एकड़ खेत को अधिया पर लिया है। खेत में ही झोपड़ी बनाकर पत्नी रजनी और बच्चों समेत रहता है। सोनिया सबसे छोटी बेटी थी। राजू ने कहा,

सोमवार सुबह रोज की तरह रजनी ने सोनिया की मालिश की और उसे खटिया पर लिटाकर धूप सेकने के लिए छोड़ दिया। इसके बाद रजनी घर के काम-काज में व्यस्त हो गई। मैं खेत पर काम करने चला गया। सोनिया के पास ही 6 साल की बड़ी बहन और दो साल का भाई खेल रहे थे। खेल-खेल में उन्होंने चूल्हे के पास रखी मांचिस की डिब्बी उठाई। फिर तीली जलाकर पास ही भूसे में फेंक दी। खेत में धान की कटाई के बाद बची पराली और भूसे ने तेजी से आग पकड़ी। कुछ ही मिनटों में लपटें खटिया तक पहुंच गईं।

मां बोली-क्या पता था, फिर गोद में नहीं ले पाऊंगी

राजू ने बताया कि सोनिया के रोने की आवाज सुनकर हम उसे बचाने दौड़े लेकिन आग इतनी भयानक थी कि उसे लपटों से नहीं निकाल पाए। आग बुझाने के प्रयास में राजू का हाथ भी झुलस गया। इस दर्दनाक घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है।

थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर खरगोन जिला प्रशासन ने बाबा के उपचार की सभी व्यवस्था की थी। बाबा की इच्छा के अनुरूप भट्टयाण आश्रम में ही चिकित्सकों की टीम बाबा के स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए थी। वयोवृद्ध संत श्री सियाराम बाबा की आयु 100 साल से अधिक बताई जाती है। बाबा के देवलोकगमन का समाचार मिलते ही भक्तजन सुबह से ही बड़ी संख्या में बाबा के अंतिम दर्शन के लिए भट्टयाण आश्रम पहुंचने लगे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।



करेंगे। निमाड़ के निर्गुणी संत श्री सियाराम बाबा का 11 दिसंबर को सुबह माँ नर्मदा तट के ग्राम भट्टयाण स्थित आश्रम से देवलोकगमन हुआ। माँ नर्मदा के साधक संत श्री सियाराम बाबा कुछ दिनों से अस्वस्थ

सीहोर के 22 मंडलों में अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी

1257 बूथ अध्यक्षों से मंडल स्तर पर हुआ विचार विमर्श, तीन-तीन नाम दिए

सीहोर/नवप्रदेश। भाजपा के संगठन पर्व अंतर्गत सीहोर जिले की 4 विधानसभा क्षेत्र के सभी 22 मंडलों में मंडल अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को मंडल स्तर पर संगठन द्वारा भेजे गये पर्यवेक्षक ने रायशुमारी की। सभी मंडल प्रभारियों ने बूथ अध्यक्षों से मंडल अध्यक्ष पद के लिए अपनी पसंद के तीन-तीन नाम एक पत्रक के माध्यम से प्राप्त किए। पत्रकों को बंद लिफाफे में सील बंद कर जिला भाजपा कार्यालय में जिला निर्वाचन पदाधिकारी को सौंप

जाएँगे। जिले के सभी 22 मंडलों में बुधवार को विचार विमर्श के साथ रायशुमारी हुई। सीहोर जिला भाजपा मोडिया प्रभारी सुशील संचेती ने बताया की जिले के 22 मंडलों में मंडल अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी हुई। रायशुमारी के लिए प्रत्येक मंडल में मंडल प्रवेक्षकों की नियुक्ति की गई। सभी मंडल पर्यवेक्षक आज अपने-अपने दिए गए मंडलों में पहुंचे। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक कर पार्टी के निर्देशों से अवगत कराया गया। सभी मंडलों के नव निर्वाचित बूथ अध्यक्षों का स्वागत सम्मान किया। सह जिला निर्वाचन अधिकारी सीताराम

यादव ने बताया कि मंडल स्तर पर विचार विमर्श के बाद 12 व 13 दिसम्बर को जिला मुख्यालय पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी तेजबहादुर सिंह जिले की चारों विधानसभा के मंडलों के अपेक्षित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों से विचार-विमर्श कर उनकी राय लेंगे। सीहोर जिले में कुल 22 मंडल है। इन 22 मंडलों में 1257 बूथ हैं। 12 दिसम्बर को सीहोर में आष्टा और सीहोर विधानसभा क्षेत्र के मंडलों के कार्यकर्ताओं से व 13 दिसम्बर को बुधनी व इछवर विधानसभा के मंडलों के अपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श कर उनकी राय ली जायेगी।

अधोसंरचनात्मक विकास के साथ उपकरणों की उपलब्धता की जाये सुनिश्चित: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

चिकित्सा उपकरणों की खरीदी और ट्रांसफर पोर्टल की तैयारी की समीक्षा की

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधोसंरचना के विस्तार और अत्याधुनिक उपकरणों की खरीदी के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जाये कि सेवाएं समय पर आम नागरिकों तक पहुंचें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में प्रदेश के विभिन्न जिला

चिकित्सालयों और कैंसर अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि अधोसंरचना विकास के साथ-साथ आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को

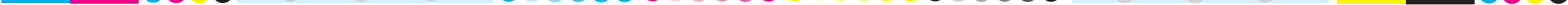


प्रक्रिया की सतत मॉनीटरिंग कर

खरीदी का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीटी स्कैन, एमआरआई, कैथ लैब, पेट-स्कैन, लाईनैक, और ब्रेकी-थेरेपी जैसे उन्नत उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश के चिकित्सकीय संस्थानों में औषधि एवं कंज्यूमेबल की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उक्त सामग्री आवश्यकतानुसार

संस्थानों में उपलब्ध हों, यह समयसीमा के भीतर उपकरण



ममता बनर्जी की दावेदारी

लोकसभा चुनाव के पूर्व बने गठबंधन आईएनडीआईए में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हालांकि लोकसभा चुनाव में आईएनडीआईए ने एनडीए को कड़ी टक्कर दी थी और भाजपा की सीटें कम कराने में सफलता पाई थी। आईएनडीआईए लोकसभा में मजबूत विपक्ष के रूप में उभरा कांग्रेस 99 सीटें जीतने में सफल हुई। वहीं समाजवादी पार्टी ने पहली बार 37 सीटें जीतने का कीर्तिमान रचा। तृणमूल कांग्रेस भी तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी बनी। इसके बाद हरियाण और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आईएनडीआईए को करारा झटका लगा। इसी के साथ ही इस गठबंधन में आपसी टकरार शुरू हो गई। अब आईएनडीआईए के नेतृत्व को लेकर रस्सा कसी शुरू हो गई है। बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रिीमो ममता बनर्जी ने आईएनडीआईए की कमान सभालने का दावा ठोक दिया है। उन्होंने कहा है कि मैंने ही इंडिया गठबंधन का गठन किया था और इस गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए तथा गठबंधन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए मैं इसका नेतृत्व करने के लिए तैयार हूं। ममता बनर्जी के इस दावे का आईएनडीआईए में शामिल कई दलों ने समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल तथा शिवसेना यूबीटी के अलावा आम आदमी पार्टी तथा शरद पवार ने भी ममता बनर्जी को आईएनडीआईए का नेतृत्व सौंपे जाने की पूजोर वकालत की है। टीएमसी के नेताओं ने कांग्रेस के नेतृत्व पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा है कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट दस प्रतिशत रहा है जबकि भाजपा के खिलाफ टीएमसी का स्ट्राइक रेट 70 प्रतिशत से अधिक रहा है। इसी से यह स्पष्ट हो जाता है कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने में तृणमूल कांग्रेस ज्यादा सक्षम है। ममता बनर्जी के दावे का समर्थन करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता उदयवीर सिंह ने बयान दिया है कि वे एक वरिष्ठ नेत्री है उनके पास काफी अनुभव है और वे सक्षम है। ममता बनर्जी के सभी पार्टियों के साथ अच्छे संबंध है और उनके नेतृत्व पर सभी को भरोसा है। राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने भी ममता बनर्जी को हर दृष्टि से योग्य बताते हुए उन्हीं आईएनडीआईए की कमान सौंपने की मांग उठाई है। गौरतलब है कि पहले पहल टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने ये मांग उठाई थी और कहा था कि कांग्रेस इस गठबंधन का नेतृत्व करने में विफल रही है इसलिए उसे अहंकार छोड़ देना चाहिए और ममता बनर्जी को गठबंधन के नेता के रूप में मानता दे देनी चाहिए। इसके बाद ममता बनर्जी ने भी आईएनडीआईए के काम काज पर असंतोष जताया था और इसे मजबूत बनाने की जरूरत पर जोर दिया था। अब देखना होगा कि इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ममता बनर्जी को गठबंधन की कमान सौंपने के लिए राजी होती है या नहीं। यदि कांग्रेस अपने सहयोगी दलों की मंसा के अनुरूप ममता बनर्जी को नेतृत्व देने के लिए तैयार नहीं होती है तो बहुत संभव है कि आईएनडीआईए टूट जाये और एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तीसरा मोर्चा बन जाये। दरअसल ममता बनर्जी और कांग्रेस के बीच पहले से ही तनातनी चल रही है। लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने कांग्रेस और वामपंथी दलों को बंगाल में एक भी सीट नहीं दी थी। इसके बाद से ही दोनों के बीच दूरियां बढ़ी हैं। ऐसी स्थिति में ममता बनर्जी को आईएनडीआईए की कमान सौंपने पर कांग्रेस शायद ही सहमत हो।

आम आदमी पार्टी का कांग्रेस से किनारा

आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल राजनीतिक पार्टियों में मतभेद गहराने की खबरों के बीच आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से किनारा करने की घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और नई दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्पष्ट कर दिया है कि नई दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की कोई संभावना नहीं है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए दो किस्तों में अपने 31 प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर दी है। इसका मतलब साफ है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा नहीं करेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने नई दिल्ली की सातों सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ा था लेकिन भाजपा ने सभी सातों सीटें जीत ली थी। इसके बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा करने की कोशिश की थी। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी को दरकिनार कर दिया था। इसके बाद दोनों दलों के बीच दूरियां और बढ़ गईं। उसी का नतीजा है कि अब आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ने की घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि नई दिल्ली में कांग्रेस का कोई प्रभाव नहीं है। ऐसे में यदि कांग्रेस अलग हल करे लड़ती है तो भी आम आदमी पार्टी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पायेगी। बहरहाल आम आदमी पार्टी के इस निर्णय के बाद अब नई दिल्ली में त्रिकोणीय संघर्ष देखने को मिलेगा। ऐसी स्थिति में भाजपा को लाभ भी हो सकता है। क्योंकि भाजपा विरोधी वोट आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में बंट जाएंगे वहीं अल्पसंख्यकों के वोट भी जो भाजपा को नहीं मिलते हैं और कई सीटों पर जहां वे निर्णायक सिद्ध होते हैं। वहां उनके वोट आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बंट जाएंगे। ऐसे में भाजपा को फायदा हो सकता है।

प्रेरक प्रसंग

सबसे बढ़कर पूजा

लोकमान्य तिलक कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने के लिए लखनऊ आए। लखनऊ कांग्रेस में कार्यक्रम अत्यंत व्यस्त था, क्योंकि इसके दौरान विभिन्न दलों और गुटों में एकता स्थापित करने के लिए बातचीत हुई थी। अधिवेशन में एक दिन लोकमान्य बहुत ठंडके से व्यस्त रहे और दोपहर तक एक क्षण के लिए भी अवकाश न पा सके। बड़ी कठिनाई से उन्हें भोजन के लिए उठया जा सका। भोजन के समय परोसने वाले स्वयंसेवक ने कहा- "महाराज ! आज तो आपको बिना पूजा किए ही भोजन करना पड़ा।" लोकमान्य गंभीर हो गए। बोले- "अभी तक जो हम कर रहे थे, क्या वह पूजा नहीं थी? क्या घंटी-शंख बजाना और चंदन घिसना ही पूजा है? समाज-सेवा से बढ़कर और कौन-सी पूजा हो सकती है ?"

आज का पंचांग

	बुध-14				
बुध	सूर्य-शुक्र-शनि	13-15			
9	15	राहु	चन्द्र-केतु		
		4			6
14	मंगल	3	5		

सूर्योदय : 07:07, सूर्यास्त: 05:21, चन्द्रोदय :13:39, चन्द्रास्त: 27:31, अयन दक्षिणारणो (दक्षिणगोलीय), ऋतु: हेमन्त, शक सम्वत : 1946 (श्रीधौ), विंक्रम सम्वत : 2081 (पिंगल), कलियुगाब्द: 5126, मास : मार्गशीर्ष, पक्ष : शुक्ल, तिथि : द्वादशी, नक्षत्र : अश्विनी, योग : परिध,प्रथम करण : वणिज (14:27 तक), द्वितीय करण : विरिध (25:09 तक)।

॥ गौघर गहा: ॥

सूर्य : वृश्चिक, चंद्र : मेष (11:47 से),

मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, वक्री), बुध : वृश्चिक (अस्त, पश्चिम, वक्री), गुरु : वृष (उदित, पश्चिम, वक्री), शुक्र : मकर (उदित, पूर्व, मागी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, मागी), राहु : मीन, केतु: कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त, अमृत काल 09:34 से 11:03, रवि योग 07:03 से 11:48, विजय मुहूर्त 13:53 से 14:34, गोधूलि मुहूर्त 17:15 से 17:43, सायंक सन्ध्या 17:18 से 18:40, निशिता मुहूर्त 23:43 से 24:38, राहुकाल 13:30 से 15:00, राहुवास दक्षिण-पश्चिम, यमगण्ड 08:20 से 09:37, दुर्मुहूर्त 11:50 से 12:31, लेनामुहूर्त शनि, दिशा शूल उत्तर, वणिज (14:27 तक), द्वितीय करण : अगिवास पृथ्वी (25:09 तक), भद्रावास स्वर्ग (14:27 से 25:09), चन्द्रवास उत्तर (पूर्व 11:48 से) शिवास क्रीड़ा में (25:09 से कैलाश पर)।



डॉ रमन सिंह
अध्यक्ष छग विधानसभा

1 नवम्बर 2000का दिन जब केवल भारत के मानचित्र पर कुछ नई रेखाएं नही खिंची गई बल्कि डॉ. खूबचंद बघेल, ठाकुर ज्योदालाल सिंह, श्री हरि ठाकुर, श्री केयूर गुषाण, श्री केशव सिंह ठाकुर औरश्री चंदूलाल चंदोकर जैसे महापुरुषों के दशकों के प्रयासका प्रतिफल रव किपृथक छत्तीसगढ़ राज्य की मांग के लिए मध्यप्रदेश विधान सभा में सर्वप्रथम श्री महेश तिवारी (सदस्य, जनता पार्टी) द्वारा 28 जून सन् 1991 को मध्यप्रदेश राज्य को तीन पृथक प्रदेशों में विभाजित कर छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हेतु केन्द्र से अनुरोध किये जाने हेतु प्रस्तुत अशासकीय संकल्प अस्वीकृत हो गया। इसके बाद इसके बाद श्री गोपाल पटेलने जे 18 मार्च 1994 को एक अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किया झुझरदन का यह बात है कि मध्यप्रदेश के विस्तृत क्षेत्र, भाषा, सांस्कृतिक परंपराएं, कानून व्यवस्था तथा जनता की सुविधा को धृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ क्षेत्र को अलग कर पृथक छत्तीसगढ़ राज्य बनाये जाने की शासन आवश्यक पहल करे जइन् इस पर तीन घंटे की चर्चा उपरंत संकल्प सर्वानुमति से स्वीकृत हुआ।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता1800 में 12 दिसंबर के दिन ही वाशिंगटन डीसी को अमेरिका की राजधानी बनाया गया था। 1884 में आज ही के दिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला गया था। 1911 में 12 दिसंबर को ही भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित की गई थी। 1911 में आज ही के दिन जॉर्ज पंचम और मेरी भारत के सम्राट के रूप में भारत आए थे। 1915 में 12 दिसंबर के दिन ही चीन के राष्ट्रपति युवान शी की ने राजतंत्र को दोबारा बहाल कर स्वयं को चीन का सम्राट घोषित किया था। 1936 में आज ही के दिन चीन के नेता च्यांग काई शेक ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।1963 में 12 दिसंबर के दिन ही केन्या स्वतंत्र हुआ था। 1971 में आज ही के दिन भारतीय संसद द्वारा पूर्व राजाओं को प्रदान की जानी वाली सभी सुविधाएं रद कर दी गई थीं। 1990 में 12 दिसंबर के दिन ही टी. एन. शेपन मुख्य निर्वाचन आयुक्त हुए थे। 1996 में आज ही के दिन भारत और बांग्लादेश के मध्य गंगाजल के बंटवारे को लेकर 30 वर्षीय संधि पर साइन किए थे।

— सुश्री इंदु सिंह

QUIZ TIME

- अलाउद्दीन खिलजी के दरबारी संगीतज्ञ अमीर खुसरो के 14वीं शताब्दी में भारत के लिए भक्तिमय या धार्मिक गायन के किस राग को प्रारंभ किया था ?
- अगिन द्वारा अर्जुन को भेंट किए गए दिव्य धनुष का नाम क्या था ?
- प्राचीन यूनानी किस भारतीय राजा को सैड्रोकोटस कहकर पुकारते थे ?

भाषाभाष भाषके **(५) १९५६ (४) १९५५ (३) १९५४ (२) १९५३ (१) -भाषाभाषाभाष**



ज्योतिबापाय
वास्तुशिल्पज्ञ और
देवदार गुरुजी

धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा के प्रसंग भी उपस्थित होंगे।

वृष: आज की परिस्थिति हनिकारक बन रही है घर एवं बाहर विवेक से काम लेें अन्यथा जल से लाभ की उम्मीद लगाए बैठे है वहाँ से अकरस्मात निराश होना पड़ेगा।

मिथुन: आज भी परिस्थिति आपके लिए सहायक बन रही है। दिन के आरम्भ से लेकर अंत तक आपकी दिनचर्या अन्य दिनों से अलग रहेगी।

अभिव्यक्ति

24 वर्षों से विधान निर्माण के माध्यम से विकास के नव आयाम स्थापित कर रही है छत्तीसगढ़ विधानसभा

प्रदेश के सर्वोच्च सदन की आसंदी की गरिमा को बनाये रखना मेरे लिए महत्वपूर्ण दायित्व : डॉ रमन सिंह, अध्यक्ष छग विधानसभा

15 अप्रैल 1998 को मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन मंत्री श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला ने मध्यप्रदेश विधान सभा में 15 अप्रैल 1998 को छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के निर्णय पर भारत सरकार के प्रति कृतज्ञता ज़ाफ़ित किये जाने का शासकीय संकल्प प्रस्तुत किया जो पारित हुई। मुझे आज भी श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी का सप्रेशाला मैदान, रायपुर की सभा में वो उद्बोधन याद है, जहाँ उन्होंने जनता से वादा करते हुए कहा था कि च्छाAP मुझे 11सांसद दो और मैं आपको छत्तीसगढ़ दूंगा।जस् वर्ष 1998 में बारहवीं लोकसभा चुनाव में भाजपा के घोषणा पत्र में भी पृथक छत्तीसगढ़ राज्य के प्रति संकल्प लिया गया था और इसी तारतम्य में च्मध्यप्रदेश पुनर्गठन विधेयकजस् लोकसभा में 31 जुलाई 2000 तथा राज्यसभा में भी 09 अगस्त 2000 को पारित हुआ। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर उपरांत 01 नवम्बर 2000 को मध्यप्रदेश से पृथक होकर देश के 26वें राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ को एक नई पहचान और छत्तीसगढ़वासियों को

आकांक्षाओं को सम्मान मिला। आजादी के पूर्व से छत्तीसगढ़ प्रान्त के संसदीय ज्ञान और लोकप्रिय नेताओं का सदन में रहा है प्रतिनिधित्व। छत्तीसगढ़ को भले ही भारत के नक्शे में पसचान सन 2000 में मिली लेकिन छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व आजादी के पूर्व से सीपी एंड बरार में दिखाई देता रहा, जब पहली बार 31 अप्रैल 1937 को दुर्ग के संजारी बालोद से चुनाव जीतकर घनश्याम सिंह गुप्त जी सेंट्रल प्रोविंसेस एंड बरार के अंतर्गत विधानसभा अध्यक्ष चुने गए। श्री गुप्त जी लगातार 3 बार (1937-1952) 15 वर्षों तक विधानसभा अध्यक्ष पद को सुशीलित करते रहे। इसके साथ ही जब 1935 के भारत शासन अधिनियम के अनुसार विधानसभा की भाषा आवश्यक रूप से अंग्रेज़ी थी तब श्री गुप्त जी ने 1937 में विधानसभा की भाषा हिंदी और मराठी कर दी, अपनी मातृभाषा के प्रति तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष श्री घनश्याम सिंह गुप्त जी का समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रेम ही था, जिसकी वजह से वह न केवल संविधान सभा के सदस्य बने बल्कि विधानसभा के द्वारा उन्हें

संविधान के हिंदी ड्राफ्ट कमेटी का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। डॉ राजेंद्र प्रसाद जी की इच्छा के अनुरह उन्होंने 2 वर्ष 6 माह के अंतर्गत भारतीय संविधान का हिंदी ड्राफ्ट प्रस्तुत किया।

सेंट्रल प्रोविंसेस एंड बरार के सदन में छत्तीसगढ़ प्रान्त के दिग्गज नेताओं की प्रमुख भूमिका थी। यह अद्भुत संयोग था कि छत्तीसगढ़ अंचल के श्री रविशंकर सदन के नेता (मुख्यमंत्री) के रूप में थे, छत्तीसगढ़ अंचल के ठाकुर



प्यारेलाल सिंह मध्यप्रदेश विधान सभा के नेता-प्रतिपक्ष और उसी समय श्री घनश्याम सिंह गुप्त जी विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर थे।मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष के रूप में इसी अंचल के दुर्ग से श्री विश्वनाथ यादव राव तामस्कर, श्री श्यामाचरण शुक्लभी रहे। इनके अलावा छत्तीसगढ़ अंचल के श्री मोतीलाल वोरा दो बार मध्यप्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री हुए। वर्ष 1985-90 में छत्तीसगढ़ के स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्यों एक पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की आवश्यकता पड़ी? जब छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व इतना मजबूत था और छत्तीसगढ़ के नेताओं का इतना प्रभाव था तब क्यों इस प्रदेश के लोगों के मन में एक पृथक राज्य की भावना थी। इसके लिए जब हम इतिहास के पन्ने पलट कर देखते हैं तब संयुक्त मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ का क्षेत्र खनिज और अन्य संपदाओं से भरपूर होने के उपरांत भी वाँचित और उपेक्षित नजर आता है,क्योंकि भोपाल स्थित विधानसभा तक हमारे क्षेत्र की

आवाज को पहुंचाना और जनकल्याणकारी योजनाओं से इस अंचल को जोड़ना बहुत कठिन था। यह एक ऐसा दौर था जब हम अगर कवर्था के लिए मध्यप्रदेश विधानसभा से 5 लाख रुपए की सड़क भी स्वीकृत करवा लाते थे तब वह एक बड़ी उपलब्धि हुआ करती थी। ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ सिर्फएक नए राज्य का निर्माण नहीं था बल्कि सुकमा से सरगुजा तक निवासरत इस पूरे क्षेत्र के लोगों को नई आवाज़ देने और उनके अधिकारों को प्राथमिकता के साथ उठाने के लिए एक

पृथक पटल भी उपलब्ध किया गया। 14 दिसम्बर सन 2000 को नए छत्तीसगढ़ में जन-जन की आवाज को एक मंच प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की स्थापना हुई, छत्तीसगढ़ गठन के समय विधानसभा के समक्ष कई गंभीर चुनौतियां थी। उपयुक्त भवन, संसाधनों की कमी एवं संसदीय विद्या के पारंगत अनुभवि्यों की कमी के बावजूद छत्तीसगढ़ विधानसभा का प्रथम चार दिवसीय ऐतिहासिक सत्र 14 दिसम्बर से 19 दिसम्बर 2000 तक रायपुर स्थित राजकुमार कालेज के जशपुर हॉल में अस्थायी तौर पर निर्मित सभा भवन में संपन्न हुआ। इसके पश्चात् छत्तीसगढ़ विधानसभा को रायपुर बलौदाबाजार मार्ग पर बरोंदा गांव स्थित भारत-सरकार के जल-ग्रहण मिशन संस्थान के लिए बने नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित किया गया और जहाँ आज

दिनांक तक संचालित है। जब छत्तीसगढ़ को अपना पृथक राज्य और पृथक विधानसभा मिली तब अन्त्योदय की विचारधारा के अनुरूप छत्तीसगढ़ के कल्याण और प्रदेशवासियों के उत्थान के लिए हमारी विधानसभा ने ऐतिहासिक निर्णय लिए।

राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ की छवि एक पिछड़े और वाँचित प्रदेश की थी। भूख से लोगों की मौत हो जाना और सीमित अवसरों की वजह से लोगों के छत्तीसगढ़ से बाहर कूच करने ने प्रदेश की छवि एक पलायन करने वाले राज्य की बना दी थी। जिसे परिवर्तित करने में हमारी विधानसभा ने ऐसे कानून बनाये जो इतिहास के सदैव के लिए अंकित हो गए। जब हमारी विधानसभा ने खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत 1 रूपये किलो चावल की योजना को 21 दिसम्बर 2012सदन में पारित किया तब च्मोजन का अधिकारजस् देने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना। हमारी इस व्यवस्था को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे देश के लिए आदर्श बताया और पीडीएस की सराहना की।

पाठकों की बात

चर्चा संग हमने

चर्चा संग हमने यारा आज एक इतिहास लिखा। पर्चा रंग उसका प्यारा खुदी लेख परिहास लिखा। मिर्चीं तीख लाई खुमार दिल्ली हाल मनहार कहीं। खर्चा बड़ा रजाई का टंड नवल इतिहास लिखा। – **राजकिशोर मिश्र**

दूसरों के जीवन से

दूसरों के जीवन से खूब ले न। आतंकियों का यह शोक बड़ा पुराना फिर भी न हमने कुछ सीखा गौरवशाली अतीत मिटा दिया गया खंडहरों को हमने अनदेखा किया अखंड भारत को टुकड़ों में बांट दिया हिन्दू को न तब भी कोई फर्क पड़ा बचे जो शेष कर ही बर्बर उन्हें भी मिटा रहा बेखबर हिन्दू बेसुध-सा जी रहा छद्म धर्मनिरपेक्षता के मद में दम तोड़ रहा।।

— सुश्री इंदु सिंह

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प़ाती.. हंगामा खड़ा करना हमारा मकसद

हंगामा खड़ा करना हमारा मकसद नहीं है हमारी कोशिश है ये संसद नहीं चलनी चाहिए.. लिया अख़नी नाम का,ख़ूब आपने स्वाद। संसद का ये सत्र भी, कर डाला बर्बाद ।। एक चक्कन साल के जिद्दी बच्चे के कारण संसद पिछले 10 दिन से नहीं चल पा रही है, जनता का पैसा बेकार हो रहा है,शर्मनाक – **रमेश शर्मा वशिष्ठ**

यह मन का होना ही तो है जो भरता

यह मन का होना ही तो है जो भरता है जीवन में उत्सव के रंग जो थमा देता है साहस की लाठी सबसे बुरे वक्त में मन की भित्तियों पर गढ़ता हैं समय चुपचाप यादों के चित्र जीवन के सारे आरोह अवरोध यहां गुंजते हैं शायद इसी लिए सारी दुनियां को नाप लेने वाले कदम भी नहीं बच पाते इस ओर आने से एक उत्सव जैसा क्षण ही तो होता है मन की गोद में बैठकर गुजरे दिनों से मिल आना बीते हुए समय के एक एक गलियारों में झांक आना कैसी अजीब बात है वो सारी यादें सारी घटनाएं वे सारे शब्द जो कांटो से चुभे थे जिंदगी के पैर में यहां वो अनुभव के अध्याय में बिखरे पड़े हैं उनसे होकर बार बार गुजरना भी अब सालता नहीं "सुकून" देता है ।। – **हेमा पांडेय**

मुसीबतों से हार कर मैं पाँव

मुसीबतों से हार कर मैं पाँव कैसे रोक लूँ जो दिल पे हक़ जमा रहा वो गाँव कैसे रोक लूँ सुरीली धुन में कोयलों को सुन ये मन भी है मगन नकार कर मैं सृष्टि... काँव काँव कैसे रोक लूँ मैं दुश्मनों के वास्ते हूँ धूप जेट की मगर सुखों के वृक्ष हों खड़े तो छाँव कैसे रोक लूँ – **ममता लड़्डीवाल**

अमृत बरसाता है चाँद, व्रत को

अमृत बरसाता है चाँद, व्रत को खुलवाता है चाँद, सुन्दरता का बना प्रतीक, मनमोहक लगता है चाँद, चाँद सा चेहरा, चाँद का टुकड़ा, कभी खिलौना बना ये चाँद, जिनके सिर पर बाल नहीं हैं, कहे लोग चमके है चाँद चाँद है शीतल,चाँद है सुन्दर, चाँदी का गोला सा चाँद, चाँद है पावन और मनभावन, शिवशंकर के भाल पे चाँद चाँद की महबूबा सब चाहे, रात चाँदनी सबको भाये शादी करते ही हर जोड़ा, जल्दी से हनीमून पे जाये। – **जे डी कुदाल**

जय गणपति गजानंद देवा छाया है आँगन

जय गणपति गजानंद देवा छाया है आँगन में आनंद देवा ।। देवों में आप प्रथम हो, रिद्धि सिद्धि के दायक हो ! जय गणपति गजानंद – आपकी काया कंचन कंचन, किरणों का है जिसमे बसेरा, आपकी सूंड सुंडाली मूरत आपकी आँखों मे खुशियों का डेरा, आपकी महिमा बड़ी अपरम्पार, जय गणपति गजानंद – भक्तों के विघ्न विनाशक देवा, हम सब करें तेरी रात दिन सेवा !! मेरे कीर्तन में कृपा बरसाओ देवा, आओ आओ गणपति देवा !! जय गणपति गजानंद देवा, छाया है आँगन में आनंद देवा !! – **शोभा निपाठी**

कहां ये आपसे सरकार होगा

कहां ये आपसे सरकार होगा। सफ़र उल्फ़्त का है दुश्धार होगा। तुम्हारा होसला पतवार होगा। तभी मुमकिन है दरिया पार होगा। हमारी ईद भी होगी मुकम्मल, तुम्हारा जब कभी दीदार होगा। नहीं मसरूफ़ियत भी ये रहेगी, कभी तो अपना भी इतवार होगा। ख़रीदेंगे नई कुछ ख़ाहिशों भी, कहीं तो ऐसा भी बाज़ार होगा। फ़सादों में मज़ा वो ढूँढता है, वो ज़हनी तौर से बीमार होगा। नहीं कह पाएंगे वो कुछ जुबां से, निगाहों से मगर इज़हार होगा। अधूरी है कहानी भी अभी तक, कहां इसका प्रखर किरदार होगा ।। – **डॉ राजेश श्रीवासव**

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य					
(भागवत साहू)					
घाएं से दाएं :					
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना जाना, आवागमन 5. बहुत, बर्दिया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अवोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सन्धा 26. हत्या, कत्ल. अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. इव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकोला, चमकोला, चटपटा, बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. वर्तमान दिनों में 20. आँन, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. गार काट, खुन कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लत्तीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पथारना, आना 20. धूप-दोप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.					
ऊपर से नीचे					
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3.					
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 262 का हल					
स्वा द सा म ना कै दी					
व ख ल ना य क वा					
लं प ट ना क क ट ना					
ब्री प ड़ी प					
अ ट प टा शा न					
स ह यो र ति					
ह म द र ब द र					
म क र सी ल					
त क्षा द वा खा ना					

जिले में साढ़े छह हजार से अधिक किसानों से अब-तक करीब 3 लाख क्विंटल धान की खरीदी

किसानों को करीब 68 करोड़ रुपये का भुगतान

7 राइस मिलों से अनुबंध, धान उठाव में तेजी

कोरिया / नवप्रदेश। कोरिया जिले में 14 नवम्बर से अब-तक 6 हजार 513 किसानों से 2 लाख 72 हजार 509 क्विंटल धान की

खरीदी हो चुकी है। जिले में 7 राइस मिल संचालकों ने अनुबंध किया है, जिससे धान खरीदी केंद्रों से उठाव में तेजी आया है। जिला विपणन अधिकारी ने जानकारी दी है कि संग्रहण केंद्र में 7 हजार 140 क्विंटल धान जारी किया गया है, और मिलर्स को 5 हजार 760 क्विंटल धान का डीओ जारी हुआ है। इस तरह अब-तक कुल 12 हजार 900 क्विंटल धान उठाव के लिए जारी हुआ जिसमें 7 हजार



क्विंटल से अधिक धान का उठाव हो चुका है।

किसानों को 68 करोड़ रुपए का भुगतान - जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी गिरजाशंकर साहू ने जानकारी दी कि जिले में इस खरीफ वर्ष के लिए 22 हजार 978 किसानों ने धान बेचने के लिए पंजीयन कराया है। इस वर्ष 21 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अब-तक 6 हजार 513 किसानों ने अपना धान बेचा है। इसके एवज में किसानों को बैंक लिकिंग

धान खरीदी अभियान 31 जनवरी तक

धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। वहीं जिला प्रशासन द्वारा धान उपार्जन केंद्रों में शिकायत एवं निवारण के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी किए हैं, जिसका नं. 07836-232330 तथा कॉल सेंटर नम्बर 1800-233-3663 है। धान बेचने वाले कोई भी किसान इस हेल्पलाइन नम्बर पर फोन कर अपनी समस्याओं का समाधान कर सकता है।

व्यवस्था के तहत 67 करोड़ 90 लाख 62 हजार 210 रुपए का भुगतान किया गया है।

जिले के 6 हजार 513 किसानों से अब-तक 15 करोड़ रुपए की ऋण वसूली -

जिले के पंजीकृत किसानों को खरीफ फसल के लिए 6 हजार 513 किसानों को 15 करोड़ 95 लाख 23 हजार 837 रुपए का ऋण वितरण किया गया था। ऋण वसूली की प्रक्रिया भी चल रही है। अभी तक लिकिंग के माध्यम से 14 करोड़ 92 लाख 53 हजार 302 रुपए का ऋण वसूली गया है। शेष लक्ष्य की वसूली आने वाले दिनों में लिकिंग के माध्यम से की जाएगी।

हड़ताल पर स्वास्थ्य कर्मी, सेवाएं ठप

जिला हॉस्पिटल मामले में छोटे कर्मचारियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया

सीएमएचओ दफ्तर का किया घेराव



धरना दिया। इन कर्मचारियों को निर्दोष बताते हुए बहाली की मांग की। संगठन के संयोजक आरके जाटव ने कहा कि करोड़ों की बर्खास्तगी और निलंबन के विरोध में जिले के अधिकांश स्वास्थ्य कर्मी मंगलवार को हड़ताल पर रहे। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के संयुक्त कर्मचारी प्रतिनिधि संगठन ने दुर्गा मंडप में

समर्पण भाव से सेवा दे रहे लेब तकनीशियन सचिन मसीह को बर्खास्त कर दिया गया, जबकि कलेक्शन सेंटर में उसने रजिस्टर में देखकर रिपोर्ट भरा था। उसकी ड्यूटी एचआईवी जांच वाली मूल जगह से हटाकर सामान्य सेंटर कलेक्शन सेंटर में क्यों लगाई गई, यह जांच का विषय है। जाटवर ने

कहा कि कोरोना काल में अपने और अपने परिवार की जान दांव पर लगाकर ड्यूटी लगाने वाले कर्मठ कर्मचारियों को कोरोना प्रोत्साहन भत्ता तो आज तक नहीं मिला, उरटे दूसरों की गलती पर उन्हें बर्खास्त किया जा रहा है। हमर लैब निर्माण में हुए करोड़ों के भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने के लिए

प्रभावित हुई स्वास्थ्य सेवाएं

इस एक दिनी हड़ताल के चलते जिला हॉस्पिटल समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में सेवा प्रभावित हुई। ओपीडी पर्ची तक नहीं भर्नाई जा रही थी। मेनुअल पर्ची से किसी तरह काम चलाया गया।

छोटे कर्मचारियों की बलि चढ़ाई जा रही है। इसी तरह नेत्र सर्जरी में गड़बड़ी के जिम्मेदार अधिकारियों की जगह छोटे कर्मचारी निर्वाह और बर्खास्त किए गए। यह कार्रवाई वापस नहीं ली गई तो संगठन जल्द ही अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेगा।

दो सौ रुपए मजदूरी का मामला अभी शांत नहीं हुआ रावघाट में छाड़ कटाई वाले मजदूरों ने रेंजर और डिप्टी को काम बंद कर वापस भेजा

अंतागढ़/नवप्रदेश। रावघाट हिलटाप में माईस खुदाई के लिए छाड़ों की कटाई करवाने वन विभाग ने 8 नवंबर से रावघाट क्षेत्र के स्थानीय मजदूरों से छाड़ काटने का काम शुरू किया था 21 दिनों के छाड़ काटने के बाद वन विभाग के डिप्टी और परिक्षेत्र अधिकारी चार दिनों की लकड़ी कटाई का घन मीटर के हिसाब से भुगतान करने पहुंचे जिसे छाड़ काटने वाले लेबरां ने फोरस्ट की पूरे दिन की रोजी और एक टाईम के भोजन का पैसा नहीं देने पर रेंजर और डिप्टी को वापस भेजा छाड़ काटने का काम भी बंद कर दिया मजदूरों ने कहा वन विभाग ने टोपी जूता भी नहीं दिया और मजदूरों का बीमा भी नहीं

करवाया मजदूरों ने बताया कम पेट्रोल देकर खराब आरा मशीनों को देकर छाड़ काटने कहते हैं और मजदूरी की जगह घन मीटर में पेमेंट करेगे जो मजदूरी से कम है तीन साल पहले 320 मजदूरी के साथ 60 रूपए और 5 रूपए अन्य खर्च का मिलाकर 385 रूपये मजदूरों को दिया जाता था। आज मजदूरी दर 346 रूपए है दिन बा दिन महंगाई बढ़ी है हर चीज महंगी हो गई है भोजन का रेट भी 60 की जगह 80 रूपए होना चाहिए।मजदूरी 346 और भोजन का 80 रूपये 426 रूपये के हिसाब से मजदूरी मिलनी चाहिए। 8 नवंबर से 5 दिसम्बर के बीच कुल 21 दिनों की मजदूरी और भोजन का पैसा लेने के पश्चात ही छाड़ काटने की

एक साथ पूरे दिन की मजदूरी की मांग मजदूरों ने किया है एक टाईम के भोजन के पैसे की जानकारी मुझे नहीं है। मिथुन डहरिये, उप वन मंडलाधिकारी अन्तागढ़

बात मजदूरों ने कहा है। मजदूरों ने कहा हिलटाप में छाड़ काटने जाते और आते समय खुली पिकप में बैठकर पहाड़ में चढ़ते और उतरते हैं और छाड़ काटने का काम करते हैं कोई दुर्घटना होने पर हमारा वन विभाग ने बीमा भी नहीं करवाया है हम सभी मजदूरों का बीमा भी करवाया जाए।

धान खरीदी में किसानों को हो रही तकलीफ को लेकर कांग्रेस कमेटी ने दिया धरना

कोंडागांव/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी के निदेश पर माकड़ी ब्लॉक मुख्यालय में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में धान खरीदी में किसानों हो रही परेसानी को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने जमकर साय सरकार को घेरा कहा की धान खरीदी में किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है धान के रकबा में कटौती हो रही है सभी धान खरीदी केंद्रों में बारदाने की समस्या है धान का उठाव नहीं होने से केंद्रों में जगह की किल्लत है टोकन नहीं कटने से किसान परेशान हैं। वक्ताओं ने आगे कहा भाजपा चुनाव पूर्व कहा था कि 3100 रुपए धान का समर्थन



मूल्य प्रति क्विंटल की दर से एक मुश्त देने की बात कही थी परन्तु उनकी वादें उनकी घोषणाएँ केवल लोक लुभावने बनकर रह गयी आज किसानों को भारी तकलीफ हो रही है, सरकार में आने के बाद जनता से कोई सरोकार नहीं रहती। जब छत्तीसगढ़ में किसानों की सरकार थी कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तब किसानों के विकास के लिए योजनाएं बनाई गयी धान के समर्थन मूल्य के अतिरिक्त राशि को राजीव

गांधी किसान न्याय योजना के नाम से दिया गया परन्तु भाजपा ने एक मुश्त 3100 देने की बात कर जुमलेबाजी की है कांग्रेस सरकार ने 2500 रुपए प्रति क्विंटल के दर से पैसा देने की बात कही गयी थी परन्तु केंद्र सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में वृद्धि किये जाने पर 2500 से बढ़कर 2600 रुपए प्रतिक्विंटल के दर से पैसा देकर किसानों की आमदनी बढ़ाने का काम किया था। धरने के दौरान पांच सूत्रीय मांगों को

अग्निवीर भर्ती प्रशिक्षार्थियों को कलेक्टर ने हरी झण्डी दिखाकर किया खाना

कांकेर/नवप्रदेश। जिला प्रशासन के द्वारा जिले के युवक-युवतियों को विभिन्न प्रतियोगी शारीरिक दक्षता परीक्षा भर्तियों अग्निवीर पुलिस बल फोरस्ट गार्ड, बीएसएफ, सी आर पी एफ, एसएसजी की भर्तियों के पूर्व प्रशिक्षण हेतु अर्ध्याधियों को शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में प्रतिदिन प्रातः 06 से 08 बजे एवं शाम 05 से 07 बजे तक निःशुल्क शारीरिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शारिरिक प्रशिक्षण में लगभग 250 युवक-



युवतियों प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। कलेक्टर श्री नीलेशकुमार क्षीरसागर द्वारा अग्निवीर भर्ती शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु प्रशिक्षार्थियों को रायगढ़ के लिए हरी झण्डी दिखाकर खाना किया

गया तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकमनाएं दीं। इस अवसर पर एसडीएम कांकेर, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला खेल अधिकारी सहित भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

शहरी क्षेत्र में आयुष्मान वय वंदना कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड पंजीयन हेतु विशेष शिविर

कांकेर/नवप्रदेश। जिले के शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान वय वंदना कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड पंजीयन से छूटे हुये हिग्राहियों हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेश शांडिया ने बताया कि शासकीय कोमलदेव जिला चिकित्सालय कांकेर एवं एमसीएच अलबेलापारा कांकेर में 11 से 14 दिसम्बर तक, सांस्कृतिक भवन भंडारापारा वार्ड कांकेर एवं आननबाड़ी भवन लट्टीपारा वार्ड में 11 से 12 दिसम्बर तक, सामुदायिक भवन संजयनगर वार्ड कांकेर एवं वाचनालय भवन माझापारा वार्ड कांकेर में 13 से 14 दिसम्बर तक प्रातः 10 बजे से संध्या 5 बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयुष्मान कार्ड पंजीयन

एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन करवाने हेतु आधार कार्ड एवं मोबाइल नम्बर लेकर आना आवश्यक है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से उपरोक्त 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को रूपये 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार की सुविधा है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के हितग्राही जिनका पूर्व में आयुष्मान कार्ड बन चुका है। उन्हें भी दोबारा पंजीयन, केवायसी करवाना आवश्यक है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव द्वारा जिले के पात्र नागरिकों से अपील की गई है कि अपना आयुष्मान वय वंदना कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड अपने नजदीकी शिविर स्थल में जाकर पंजीयन करवाकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

प्रथम पेज का शेष

पुलिस भर्ती में एसटी को ...

वेतन, भत्ता तथा पेंशन (संशोधन) विधेयक, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया। एकमूर्त टैक्स पर 50 प्रतिशत की छूट राजधानी रायपुर में 15 जनवरी से 15 फरवरी 2025 तक आयोजित ऑटो एक्सपो के दौरान वाहनो के लाईफटाईम रोड टैक्स पर एकमुश्त 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया. प्रदेश के सभी डीलरों को इस सुविधा का लाभ वाहन भ्रेताओं को दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए सुदृढ़ वातावरण तैयार करने, खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा राज्य के खिलाड़ियों के लिए सुदूर गामीना अंशलों से लेकर जिला मुख्यालय में खेल के लिए आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए निर्णयपिछे और सदन चलाने दोगे। इस वाहते हैं किसी तरह सदन की कार्यवाही चालती रहे। हम वाहते हैं कि सदन में बहस और चर्चाएं हों। हम वाहते हैं कि 13 दिसंबर को सविधान पर चर्चा हो। राहुल ने कस कि भाजपा सांसद के खिलाफजिस मुद्दे पर चाहे, उस पर बोलें, लेकिन सविधान के मुद्दे पर बहस होनी ही चाहिए। उन्होंने कस कि वह अदाणी के मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते। हम इस मुद्दे को अंत के लिए नहीं छोड़ना चाहते।

राज्यसभा में व्यवधान का कारण ...

आ चुके हैं। इसलिए हमने उन्हें हटाने का नोटिस दिया है। हमारे पास राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफकुछ भी नहीं है, लेकिन उन्होंने हमारे पास उन्हें हटाने के लिए नोटिस के साथ आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष बोले कि हमारी उम्मीदें व्यक्तित्व दुरंगमी या राजनीतिक लड़ाई नहीं हैं। हम देशवासियों को बताना चाहते हैं कि हमने लोकतंत्र, सविधान की रक्षा के लिए और बहुत सौच-समझकर यह कदम उठाया है। उपराष्ट्रपति भारत में दूसरा सबसे बड़ा सविधानिक पद है। 1952 के बाद से उपराष्ट्रपति की हटाने के लिए कोई प्रस्ताव नहीं लाया गया है। क्योंकि सभी सभापति हमेशा निष्पक्ष और राजनीति से परे रहे हैं। उन्होंने हमेशा सदन को नियमों के अनुसार चलाया। लेकिन आज सदन में नियमों से ज्यादा राजनीति हो रही है। डीएमके सांसद तिरुवि शिवा ने कस कि संसद में सत्ताधारी पार्टी द्वारा इस देश के लोकतंत्र पर गंवरदस्त हमला किया जाता है और वे सभापति की ओर से संरक्षित होते हैं। यह बहुत दुखद है। हमने पहले भी अनुभव किया है जब भाजपा विपक्ष में थी और जब कांग्रेस भी विपक्ष में थी।

महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार ...

शिवसेना और एनसीपी में बातचीत जारी है। जल्द ही सभी की सहमति के साथ अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

गोता जयंती पर जनकल्याण पर्व

सौरसे पर हंगामा, सत्ता-विपक्ष...

वास्तविकता जानने का अधिकार है इसलिए सदन में

इस पर चर्चा होनी चाहिए।

कांग्रेस देश का ध्यान भटकाना चाहती

नझु ने कस कि कांग्रेस इस मुद्दे पर चर्चा से बचने के लिए देश का ध्यान भटकाना चाहती है इसलिए सभापति के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव लायी है। उन्होंने कस कि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष सविधानिक संस्थाओं पर हमले कर रहा है और उनका अपमान कर रहा है। विपक्षी ने कभी भी सविधानिक पदों पर बैठे लोगों का सम्मान नहीं किया है और सदन के भीतर तथा बाहर लगातार अपमानजनक बर्ताव करता है। उन्होंने कस कि कांग्रेस निवेशक सोरोस का उपकरण बन गई है और इसके तौर गैरलगा की जानी चाहिए।

लोकसभा स्पीकर से ...

से चलने देना चाहते हैं। उन्होंने कस, वह चाहे कुछ भी भड़काऊ बात कहें, हम उन्हें कहने देंगे। लेकिन हम कोशिश करेंगे और सदन चलाने देंगे। हम वाहते हैं किसी तरह सदन की कार्यवाही चालती रहे। हम वाहते हैं कि सदन में बहस और चर्चाएं हों। हम वाहते हैं कि 13 दिसंबर को सविधान पर चर्चा हो। राहुल ने कस कि भाजपा सांसद के खिलाफजिस मुद्दे पर चाहे, उस पर बोलें, लेकिन सविधान के मुद्दे पर बहस होनी ही चाहिए। उन्होंने कस कि वह अदाणी के मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते। हम इस मुद्दे को अंत के लिए नहीं छोड़ना चाहते।

राज्यसभा में व्यवधान का कारण ...

आ चुके हैं। इसलिए हमने उन्हें हटाने का नोटिस दिया है। हमारे पास राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफकुछ भी नहीं है, लेकिन उन्होंने हमारे पास उन्हें हटाने के लिए नोटिस के साथ आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष बोले कि हमारी उम्मीदें व्यक्तित्व दुरंगमी या राजनीतिक लड़ाई नहीं हैं। हम देशवासियों को बताना चाहते हैं कि हमने लोकतंत्र, सविधान की रक्षा के लिए और बहुत सौच-समझकर यह कदम उठाया है। उपराष्ट्रपति भारत में दूसरा सबसे बड़ा सविधानिक पद है। 1952 के बाद से उपराष्ट्रपति की हटाने के लिए कोई प्रस्ताव नहीं लाया गया है। क्योंकि सभी सभापति हमेशा निष्पक्ष और राजनीति से परे रहे हैं। उन्होंने हमेशा सदन को नियमों के अनुसार चलाया। लेकिन आज सदन में नियमों से ज्यादा राजनीति हो रही है। डीएमके सांसद तिरुवि शिवा ने कस कि संसद में सत्ताधारी पार्टी द्वारा इस देश के लोकतंत्र पर गंवरदस्त हमला किया जाता है और वे सभापति की ओर से संरक्षित होते हैं। यह बहुत दुखद है। हमने पहले भी अनुभव किया है जब भाजपा विपक्ष में थी और जब कांग्रेस भी विपक्ष में थी।

महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार ...

शिवसेना और एनसीपी में बातचीत जारी है। जल्द ही सभी की सहमति के साथ अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

गोता जयंती पर जनकल्याण पर्व

सौरसे पर हंगामा, सत्ता-विपक्ष...

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सागर, श्री हितानंद शर्मा, श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनारी, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक नगर निगम सभापति श्री किशन सूर्यवंशी, श्री सुमित पचौरी, अन्य जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गूलर पर सबसे अधिक सर्च किए जाने वाला ग्रंथ है श्रीमद्भगवद् गीता मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता से जीवन सूत्र और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए सभी देशों के लोग लालायित हैं। गूलर सर्च इंजन बताता है कि विश्व में सर्वाधिक जिज्ञासा श्रीमद्भगवद् गीता के संबंध में ही है। विश्व के सभी धार्मिक ग्रंथों में गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जो कर्म पत्र, भक्ति मार्ग और शांति का संदेश देती है। सनातन संस्कृति और श्रीमद्भगवद्गीता जीवन की ऊथल-पुथल में शांति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। -धर्म की जय हो - अधर्म का नाश हो - प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो- के वाक्य हमारी संस्कृति के मूल भाव को अभिव्यक्त करते हैं। सनातन संस्कृति में धर्म आधारित जीवन शैली और परस्पर संबंधों की कल्पना है और हम हमारी संस्कृति इसे चरितार्थ करने पर आधारित है। सनातन जीवन संस्कृति में आचार संहिता का पालन जरूरी है। घर और कार्यस्थल में रखे श्रीमद्भगवद् गीता - राज्य मंत्री श्री लोधी

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर भगवान श्री कृष्ण के जीवन मूल्य और शिक्षा श्रीमद्भगवद् गीता के माध्यम से जन जन तक पहुंच रही है। श्रीमद्भगवद् गीता जीवन में ज्ञान के प्रकाश का माध्यम है। सिर्फ भारत देश को ही नहीं अपितु पूरे विश्व को श्रीमद्भगवद् गीता प्रेरणा और दिशा देती है। उन्होंने कहा कि गीता जीवन में संघर्षों का सामना करने की शिक्षा और सामर्थ्य प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की शिक्षाएं भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मग्रंथ गीता के माध्यम से दी हैं। उन्होंने सभी से अपने घर और कार्यस्थल में श्रीमद्भगवद् गीता को रखने और नियमित पाठ करने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

गिनीज बुक में दर्ज हुआ हजारों आचार्यों द्वारा एक साथ किया गया सस्वर गीता पाठ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता महोत्सव के उल्लेख में हजारों आचार्यों द्वारा एक साथ गीता के श्लोकों का वाचन करने का गिनीज बुक

ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स+ का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। लगभग 7 हजार से अधिक व्यक्तियों द्वारा सस्वर गीता पाठ किया गया, जिसमें 3 हजार 721 आचार्य तथा बटुक शामिल थे।

अपना कर्म करते रहे, परिणाम

जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन को सफलता के लिए अपने धर्म के पालन और एकाग्रता के साथ कर्मशीलता पर ही बल दिया है। आपका अधिकार केवल कर्म पर है, कर्म के फल पर नहीं। इसलिए फल की चिंता किये बिना कर्म को ही कर्तव्य मानकर कार्य करें, उसी पर तुल्यार अधिकार है। गीता की अमूल्य शिक्षा तथा मूल्यों से प्रेरणा लें। अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से कहा कि जब भी कभी जीवन में आप परेशानी महसूस करें तो गीता अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि हमने गीता को आस्था का केंद्र मानकर पूजा करनी शुरू की है, लेकिन इसके श्लोकों को अपनी समस्या के समाधान के रूप में खोजना भूल गए।

कार्यक्रम में पधारे संयासी रामकृष्ण मठ एवं मिशन रामकृष्ण शारदा सेवा आश्रम रातीकराखुर्द करेली के स्वामी मानदानंद जी महाराज, नरसिंह साधुमंडल के अध्यक्ष व प्रांत संयोजक संत मार्गदर्शक मंडल विश्व हिंदू परिषद के महंत श्री बालकदास जी महाराज, श्री देवराजमानकी बगे मंिर बखामन के स्वामी श्री रघुनाथ दास जी महाराज, संस्थापक आचार्य गीता निरुक्त आध्यात्मिक संस्थान एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानम् के जिला प्रतिनिधि श्री शशिकांत मिश्र का शाल श्रीफल व तुलसी माला से सम्मान किया।

कार्यक्रम में सस्वर श्रीमद्भगवद् गीता के 12 एवं 15 अध्याय का पाठ किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री मेहन्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटेल, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, साधु- संत, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी और नागरिक मौजूद थे।

एमपी में शीतलहर, भोपाल

रहेगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के आदेश के बाद गुरुवार से ही सभी स्कूल नए समय पर लगेगे। इंदौर में भी जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। इंदौर के प्रभारी कलेक्टर व निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने बताया कि जिले में पहली से आठवीं तक के स्कूल सुबह 9 बजे बाद ही शुरू होंगे। इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। यह

परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

अगले 4-5 दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा

बता दें कि मध्यप्रदेश इन दिनों बर्फोली हवाओं की वजह से ठिठुर रहा है। दिन और रात का टेंपरेचर 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 4-5 दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेन्द्र ने बताया, %इस समय पश्चिम-उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। 12.6 किमी की ऊंचाई पर 240 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं भी चल रही हैं। इन दोनों सिस्टम की वजह से मध्य प्रदेश में क?के की ठंड प? रही है।%

पचम?ी में एक रात में 1.7 डिग्री गिरा पारा मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात पचम?ी में 1.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। एक रात पहले यह 3.5 डिग्री सेल्सियस था यानी एक ही रात में 1.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी तापमान नीचे आया है। यह भोपाल में 6.9 डिग्री, इंदौर में 8.6 डिग्री, ग्वालियर में 6 डिग्री, उज्जैन में 7.5 डिग्री और जबलपुर में 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पचम?ी के अलावा रायसेन, गुना, उमरिया, मंडला और नौगांव में टेंपरेचर 6 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहा। रायसेन में 4.8 डिग्री, गुना-उमरिया में 5 डिग्री, मंडला में 5.2 डिग्री और नौगांव में 5.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

दिसंबर के पहले पखवा? में ही क?के की ठंड

इस साल दिसंबर की सर्दी ने टूट ड बदल दिया है। पिछले 10 साल का रिकॉर्ड और टूट देखें तो दिसंबर के दूसरे पखवा? में क?के की ठंड प?ती रही है लेकिन इस बार पहले ही पखवा? में तेज सर्दी का असर है। भोपाल और इंदौर की रात तो पिछले 2 साल में सबसे ठंडी रही है यानी दिसंबर की ठंड का रिकॉर्ड टूट गया है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फ गिरने से सर्दी ब?ी है। यहां जेट स्ट्रीम हवाएं भी तेजी से बह रही हैं। जिसका असर मध्य प्रदेश में देखने को मिल रहा है।

नवंबर में भी सर्दी तो? चुकी रिकॉर्ड



न्यूज गैलरी

हल्की बढ़त के साथ, सेंसेक्स 23 अंक ऊपर, निफ्टी 24,620 पर

मुंबई। कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 23 अंकों की उछाल के साथ 81,544.70 पर खुला. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,620.50 पर ओपन हुआ। बाजार खुलने के साथ निफ्टी पर अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रामिंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, कोल इंडिया, नेस्ले बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहे, जबकि डॉ रेड्डीज लैब्स, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, टैट और एसबीआई लाइफ इश्योरेंस गिरावट के साथ कारोबार कर रहे। भारतीय रुपया बुधवार को 84.85 प्रति डॉलर पर खुला, जबकि मंगलवार को यह 84.85 पर बंद हुआ था। 10 दिसंबर को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी के 24,600 के आसपास रहने के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ. बंद होने पर सेंसेक्स 1.59 अंक या 0.00 फीसदी बढ़कर 81,510.05 पर और निफ्टी 8.95 अंक या 0.04 फीसदी गिरकर 24,610.05 पर था. कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, अडाणी पोर्ट्स, अदानी एंटरप्राइजेज, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज और एचडीएफसी लाइफ सेंसेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो और श्रीराम फाइनेंस में बढ़त दर्ज की गई। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.3-0.3 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सेक्टर के लिहाज से पावर, टेलीकॉम, मीडिया में 0.5-1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आईटी, मेटल, पीएमयू बैंक और रियल्टी में 0.4-1 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

अदाणी समूह श्रीलंका पोर्ट प्रोजेक्ट को स्वयं करेगा फाइनेंस

मुंबई। अदाणी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स (एपीएसईजेड) लिमिटेड ने कहा है कि वह अपने वित्तीय साधनों का उपयोग कर श्रीलंका पोर्ट प्रोजेक्ट को पूरा करेगा और इसके लिए उसे अमेरिकी फंडिंग की आवश्यकता नहीं है। अदाणी पोर्ट्स द्वारा स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कहा गया कि श्रीलंका पोर्ट प्रोजेक्ट समयबद्ध तरीके से चल रहा है और अगले साल पूरा हो जाएगा। कंपनी ने आगे कहा, श्रीलंका में कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) प्रोजेक्ट प्रगति कर रही है और अगले साल की शुरुआत में चालू होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त कंपनी ने कहा, प्रोजेक्ट को कंपनी के आंतरिक संसाधनों और पूंजी प्रबंधन योजना के माध्यम से फाइनेंस किया जाएगा। हमने यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (डीएफसी) से फाइनेंस के लिए अपना अनुरोध वापस ले लिया है। पिछले साल नवंबर में यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन ने श्रीलंका में कोलंबो बंदरगाह पर सीडब्ल्यूआईटी के विकास, निर्माण और संचालन का समर्थन करने के लिए 553 मिलियन डॉलर का ऋण प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की थी। सीडब्ल्यूआईटी को अदाणी पोर्ट्स, श्रीलंकाई कारोबारी समूह जॉन कोल्स होल्डिंग्स पीएलसी और श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी (एसएलपीए) के एक कंसोर्टियम द्वारा विकसित किया जा रहा है।

ओडिशा में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कुल संख्या 1,45,479

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या 28 लाख के पार

नई दिल्ली। देश में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या अब 28,55,015 हो गई है, जबकि इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों की संख्या 4 दिसंबर तक 2,57,169 हो गई है। यह जानकारी हाल ही में संसद में दी गई। भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वरमा ने एक लिखित जवाब में लोकसभा को बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, ओडिशा में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कुल संख्या 1,45,479 है, जिसमें अडोषान रेट 1.24 प्रतिशत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, फिलहाल, ओडिशा राज्य में ऑटो आरएंडबी क्लस्टर स्थापित करने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

ईवी के ग्राहकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया

जाता है, जैसे भारत में फेम (फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स) योजना यह योजना 1 अप्रैल, 2019 से पांच साल की अवधि के लिए है, जिसमें कुल 11,500 करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन है। इस योजना ने ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को प्रोत्साहित किया।

भारत में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग (पीएलआई-ऑटो) के लिए उत्पादन-लिंकड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपये है। इस योजना में न्यूनतम 50 प्रतिशत डोमेस्टिक वैल्यू एडिशन (डीवीए) के साथ एयूटी उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और ऑटोमोटिव विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में निवेश आकर्षित करने के लिए वित्तीय



प्रोत्साहन का प्रस्ताव है। एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एससीसे) के लिए पीएलआई योजना को 18,100 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य 50 गीगावॉट मंटे की एससीसी बैटरी के लिए प्रतिस्पर्धी घरेलू मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करना है।

विकास प्रभावित हो सकता है और महंगाई बढ़ सकती है

एडीबी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.5 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के नवीनतम संस्करण के अनुसार, अमेरिकी व्यापार, राजकोषीय और आब्रजन नीतियों में परिवर्तन से विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र में विकास प्रभावित हो सकता है और महंगाई बढ़ सकती है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को निजी निवेश और आवास मांग में उम्मीद से कम वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। बहुपक्षीय विकास बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को भी कम कर दिया है। एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के नवीनतम संस्करण के अनुसार, अमेरिकी व्यापार, राजकोषीय और आब्रजन नीतियों में परिवर्तन से विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र में विकास प्रभावित हो सकता है और महंगाई बढ़ सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के 2024 में 4.9 प्रतिशत की दर बढ़ने का अनुमान है, यह आंकड़ा एडीबी के सितंबर के 5



प्रतिशत के पूर्वानुमान से थोड़ा कम है। एडीबी ने कहा, "निजी निवेश और आवास मांग में अपेक्षा से कम वृद्धि के कारण भारत का विकास परिदृश्य इस वर्ष के लिए 7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत और अगले वर्ष के लिए 7.2 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। पिछले सप्ताह, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया और आर्थिक गतिविधियों में मंदी व खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी को देखते

हुए मुद्रास्फोति का अनुमान भी बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया है। भारत की जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर अवधि में 7 तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जबकि आरबीआई ने स्वयं 7 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। एडीबी के अनुसार अनुमानों में कटौती के बावजूद भारत की वृद्धि मजबूत बनी रहेगी। ग्रोथकालीन (या खरीफ) फसल सीजन (जिससे खाद्य कीमतों पर भी दबाव पड़ेगा) के कारण उच्च कृषि

उत्पादन से अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। सेवा क्षेत्र में निरंतर लचीलापन और 2024 और 2025 में ब्रेट क्रूड की कीमते अपेक्षा से कम रहेंगी। एडीबी ने कहा है कि उद्योग और सेवाओं के लिए पीएमआई, शहरी श्रम बल भागीदारी और भारतीय रिजर्व बैंक के औद्योगिक दुष्क्रोण जैसे मजबूत दूरदर्शी व श्रम बाजार संकेतक बताते हैं कि आने वाली तिमाहियों में आर्थिक गति बहाल होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दक्षिण-पूर्व एशिया के विकास के अनुमान को इस वर्ष 4.7 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है, जबकि पहले इसके 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। यह वृद्धि मजबूत विनिर्माण निर्यात और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के कारण संभव हुई है। वहीं एडीबी का अगले वर्ष के लिए पूर्वानुमान 4.7 प्रतिशत पर अपरिवर्तित है। मनीला मुख्यालय वाले बैंक ने चीन के लिए विकास पूर्वानुमान को इस वर्ष 4.8 प्रतिशत और अगले वर्ष 4.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।

प्रतिशत और पांचवें वर्ष के अंत में 50 प्रतिशत का डीवीए हासिल करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने घोषणा की है कि बैटरी से चलने वाले वाहनों को ग्रीन लाइसेंस प्लेट दी जाएगी और उन्हें परमिट की आवश्यकताओं से छूट दी जाएगी। एजेंसियों को अपग्रेड करने सहित इलेक्ट्रिक वाहनों का समर्थन करना है। भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए भारत में स्कीम फोर प्रमोशन ऑफ मैनुफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक पैसेंजर कार्स इन इंडिया (एसपीएमईपीसीआई) को 15 मार्च, 2024 को अधिसूचित किया गया था। इसके लिए आवेदकों को न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा और तीसरे वर्ष के अंत में न्यूनतम 25

ईवी इंडस्ट्री में अगले 5 से 6 वर्षों में आ सकता है 40 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारत को इलॉक्ट्रिक वाहन (ईवी) और उसकी सहायक इंडस्ट्रीज में अगले 5 से 6 वर्षों में 40 अरब डॉलर का निवेश होने की संभावना है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। एक प्रोफेशनल सर्विसेज और इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी कोलियर्स की रिपोर्ट में बताया गया कि नियोजित निवेश का लगभग दो-



तिहाई संभावित रूप से अकेले लिथियम-आयन बैटरी सेगमेंट में आ सकता है। साथ ही बताया कि इन फंडों का निवेश सरकारी नीतियों के सफल कार्यान्वयन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के बढ़ने और घरेलू मैनुफैक्चरिंग के स्केल-अप पर निर्भर करता है। सरकार द्वारा ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि ईवी को बढ़ाने के लिए देश में चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना होगा। इससे 2030 तक 45 मिलियन स्क्रायर फीट के रियल एस्टेट की मांग पैदा होगी।रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में घरेलू ईवी इंडस्ट्री में निवेश प्रतिबद्धताओं में तीन गुणा की उड़ानवा हुआ है। भारत में कुल ईवी पेनिट्रेशन रेट 8 प्रतिशत है। कोलियर्स के मुताबिक भारत में ईवी की बिक्री 2024 में 20 लाख यूनिट्स के करीब रह सकती है।

खेल, मनोरंजन

तीसरे टेस्ट से पहले एडिलेड में भारतीय टीम ने लाल गेंद से किया अभ्यास

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलियाई टीम शनिवार से होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिसबेन चली गई है, लेकिन भारत ने एडिलेड में लाल गेंद से अभ्यास का फैसला किया है। भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक तकनीक और गेंदों को छोड़ने पर ध्यान दिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट में मिली 10 विकेट से हार के बाद रोहित शर्मा और रिचर्ड कोहली की अगुआई में भारतीय बल्लेबाजों ने लाल गेंद से अभ्यास किया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट पहज ढाई दिन में ही खत्म हो गया था, इसलिए भारत के पास तैयारी के लिए अतिरिक्त समय है। खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीयों को बुधवार को ब्रिसबेन



एक अर्धशतक (52) के साथ सिर्फ 142 रन बना पाए हैं। वह अपने बेटे के जन्म के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए थे और मंगलवार को उन्होंने भारतीय स्पिनर और तेज गेंदबाजों दोनों का सामना करते हुए जल्द से जल्द लय हासिल करने का लक्ष्य रखा। दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रोहित ने दो पारियों में और छह रन बनाए।

कोहली ने पूरे जज्बे के साथ अभ्यास किया। उन्होंने नेट सत्र की शुरुआत में सावधानी बरती लेकिन फिर धीरे-धीरे लय में आ गए। लोकेश राहुल शांत दिखे। उन्होंने अपने डिफेंस पर अधिक ध्यान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने कुछ पिक अप शॉट खेले। शुरुआती टेस्ट में भारत की 295 रन की विशाल जीत में 161 रन की पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और भारतीय गेंदबाजों के सामने भी आक्रामक रुख अपनाया। गेंदबाजी में हर्षित राणा, आकाश दीप, यश दयाल, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन तिकड़ी शामिल थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच को लेकर मेलबर्न में दिखी दीवानगी बॉक्सिंग टेस्ट के शुरुआती दिन के सभी टिकट बिके

मेलबर्न। भारत ने पर्थ में खेला गया पहला मुकाबला 295 रनों से जीता था, जबकि ऑस्ट्रेलिया में पिंक बॉल से एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को 10 विकेट से जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली थी। टिकटों की यह भारी मांग ऑस्ट्रेलिया की सीरीज में शानदार वापसी के बाद देखने को मिली है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर संज्ञा बढ़ता ही जा रहा है। एडिलेड में रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों की मौजूदगी दिखी थी और ऐसा ही कुछ आगे के मुकाबलों में भी दिखने की उम्मीद है। दोनों टीमों के बीच मेलबर्न क्रिकेट

ग्राउंड (एमसीजी) पर सीरीज ता चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से होना है। इसके लिए दर्शकों को गजब की दीवानगी दिख रही है और बॉक्सिंग डे के पहले दिन के सभी टिकट बिक गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज में कड़ी टक्कर देखने को मिली है। भारत ने पर्थ में खेला गया पहला मुकाबला 295 रनों से जीता था, जबकि ऑस्ट्रेलिया में पिंक बॉल से एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को 10 विकेट से जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली थी। टिकटों की यह भारी मांग ऑस्ट्रेलिया की सीरीज में शानदार वापसी के बाद देखने को मिली है।

शमी को लेकर कहानी में नया ट्विस्ट ऑस्ट्रेलिया के लिए नहीं भरेंगे उड़ान!

नई दिल्ली। कुछ समय पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि शमी सीरीज के अंतिम दो टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हो सकते हैं, लेकिन अब उनकी फिटनेस चिंताओं की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें ऑस्ट्रेलिया भेजने से रोक सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम की गेंदबाजी ठीक ठाक रही है। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई गेंदबाज कुछ खास नहीं कर सका है। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर और फैंस अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टीम में

शामिल करने की मांग कर रहे थे। बीच में ऐसी खबरें भी आई कि शमी को जल्द ऑस्ट्रेलिया भेजा जा सकता है, लेकिन अब इस कहानी में नया ट्विस्ट आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शमी अब वहां नहीं जाएंगे। कुछ समय पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि शमी सीरीज के अंतिम दो टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हो सकते हैं, लेकिन अब उनकी फिटनेस चिंताओं की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें ऑस्ट्रेलिया भेजने से रोक सकता है।

मंडे टेस्ट में बाहुबली 2-एनिमल को धोबी पछाड़, 1000 करोड़ से चंद कदम दूर पुष्पाराज

अल्लु अर्जुन की एक्शन फिल्म पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर रूल कर रही है. 5 दिसंबर को रिलीज हुई यह फिल्म ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है. फिल्म ने जहां पहले वीकेंड पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वहीं बॉक्स ऑफिस पर मंडे टेस्ट में भी नया रिकॉर्ड कायम किए हैं. फिल्म पुष्पा 2 के हिंदी वर्जन ने पहले मंडे टेस्ट में बाहुबली 2 और एनिमल को पीछे छोड़ दिया है और भारत में पहले सोमवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी हिंदी फिल्म बनकर उभरी है।

पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली फिल्म बन गई है, जो अपने ओपनिंग डे से शानदार कमाई के साथ रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है. सैकनिल्क के अनुसार, अपने पहले सोमवार को पुष्पा 2 ने सभी भाषाओं में 64.1 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे पुष्पा 2 की कुल कमाई 93.1 करोड़ रुपये हो गई. यह अल्लु अर्जुन स्टारर के लिए एक और मील का पथर है, जिसने अपने शुरुआती दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़े हैं. इस ताबड़तोड़ कलेक्शन के साथ, पुष्पा 2 भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है. पुष्पा 2



ने हिंदी वर्जन ने मंडे टेस्ट में नया रिकॉर्ड कायम किया है. भारत में हिंदी बॉक्स ऑफिस पर इसने प्रभास की ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 और रणबीर कपूर की एनिमल को पछाड़ दिया है और पहले सोमवार को हिंदी सिनेमा की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर उभरी है. सैकनिल्क के मुताबिक, पहले सोमवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म सलमान खान की टाइटान 3 का नाम दर्ज है. इसने फर्स्ट मंडे टेस्ट में 58 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. जबकि पुष्पा 2 के हिंदी वर्जन ने 46 करोड़ रुपये कमाए हैं. वहीं प्रभास स्टारर बाहुबली 2 ने 40.25 और रणबीर की एनिमल ने पहले सोमवार को 40.06 करोड़ रुपये कमाए थे। सोमवार को वर्किंग डे होने के बावजूद, पुष्पा 2 ने वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

फिल्म बागी 4 में नजर आएंगी अभिनेत्री सोनम बाजवा, टाइग श्राॅफ के साथ बनी जोड़ी

पिछले लंबे समय से अभिनेता टाइगर श्राॅफ अपनी आगामी फिल्म बागी 4 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह साल 2016 में आई फिल्म बागी की चौथी किस्त है।इस फिल्म के लिए टाइगर ने एक बार फिर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से हाथ मिलाया है।बीते दिन निर्माताओं ने संजय दत्त का फिल्म की स्टार कास्ट में स्वागत किया था, वहीं अब खबर आ रही है कि सोनम बाजवा भी बागी 4 की टीम में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बागी 4 में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने सोनम को संपर्क किया है।कहा जा रहा है कि उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और उन्होंने इसके लिए हामी भी भर दी है।वह जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकती हैं। सोनम बागी 4 में

टाइगर के साथ रोमांस करती नजर आएंगी।यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। बागी 4 के निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है, जिन्होंने भजनी और वेधा जैसी कन्नड़ फिल्मों का निर्देशन किया है। साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।इस फिल्म को 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बागी 2016 में रिलीज हुई थी, वहीं इसका सीक्वल 2018 में और तीसरा भाग 2020 में आया था।बात दें कि सोनम इन दिनों हाउसफुल 5 की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म 6 जून, 2025 को रिलीज होगी।



■ न्यूज गैलरी

भोपाल में बैंक अकाउंट बेचने वाली गैंग का गुर्गा गिरफ्तार

झुग्गी बस्ती, मजदूरों के दस्तावेजों पर खाते खुलवाते; 10 हजार में साइबर क्रिमिनल्स को बेच देते

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल पुलिस ने साइबर क्रिमिनल्स को बैंक अकाउंट बेचने वाली गैंग के गुर्गे को पकड़ा है। आरोपी 10-10 हजार रुपए में खाते बेचा करते हैं। ये खाते गरीब-मजदूरों के दस्तावेजों पर खुलवाए जाते हैं। बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी आतिफ खान (35) को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा। कोर्ट से उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। आतिफ उत्तरप्रदेश के ललितपुर का रहने वाला है। उसकी गैंग का सरगना अजय शर्मा और सदस्य पंकज सेन फरार हैं। दोनों झांसी (उत्तरप्रदेश) के रहने वाले बताए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि आरोपी आतिफ के पास से दो मोबाइल फोन, फर्जी तरीके से खोले गए खातों की बैंक किट, पासपोर्ट और दूसरे दस्तावेज बरामद किए गए हैं। हालांकि, उसे आसानी से जमानत मिलने पर पुलिस जांच पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। अयोध्या नगर थाने के टीआई महेश लिखरे ने बताया, आरोपी आतिफ साइबर ठा गिरोह और फर्जी तरीके से करंसी एक्सचेंज करने वाली गैंग का जालसाज है। पूछताछ में उसने बताया कि 1 साल से वह भोपाल के कोलार इलाके में किराए से रह रहा है। स्लम एरिया में रह रहे लोगों को कम ब्याज दर पर लोन दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज लेता था। इसके बाद फेडरल बैंक एमपी नगर में उनके नाम के खाते खुलवाकर बेच देता था। पुलिस ने उसके पास से फर्जी तरीके से खुलवाए गए चार बैंक अकाउंट की पासबुक, फर्जी सिम, पासपोर्ट की कॉपी जब्त की है।

ज्यादातर मजदूर होते थे टारगेट

आरोपी आतिफ, अजय के कहने पर भोपाल आया था। अजय ने उससे कहा था कि स्लम एरिया, रेन बसेरा और मजदूर के पीटे (जहां मजदूर जमा होते हैं) में पेंट बना ले। उनके दस्तावेज कम दर में लोन दिलाने का झांसा देकर हासिल करो। आरोपी ऐसा ही कर रहा था। वह मजदूरों को झांसा देता था कि उनके दस्तावेज पर अकाउंट खुलवाएगा, इस अकाउंट का इस्तेमाल करने के बदले में पांच हजार रुपए महीना उन्हें दिया जाएगा। काम खत्म होने पर बैंक अकाउंट संबंधी सभी दस्तावेजों को लौटा दिया जाएगा।

मीनाल पर मजदूरों को फंसा रहा था, पकड़ा गया

आरोपी बोते कई दिनों से शहर के मीनाल गेट नंबर दो के पास स्थित पीठे पर आता था। यहां वह मजदूरों को अपनी बातों में फांस रहा था। दो मजदूर उसके बहकावे में आकर अकाउंट खुलवाने के लिए राजी भी हो गए। दोनों ने अपने दस्तावेज आरोपी को सौंप दिए थे। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूर्व में फर्जी तरीके से खाते खुलवाकर कितने खाते बेच चुका है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

मशाल जुलूस की पहले दी अनुमति, फिर की निरस्त



जबलपुर/नवप्रदेश। छात्र संघ के चुनाव करए जाएं, पेपर लीक पर कानून बने, छात्रवृत्ति को लोक सेवा गारंटी अधिनियम में शामिल किया जाए... इन जैसी और भी मांगों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) का मंगलवार को जबलपुर में मशाल जुलूस था। इसमें शामिल होने के लिए एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे पहुंचे हुए थे। जबलपुर के दीनदयाल चौक से एसबीआई चौराहे, विजय नगर तक मशाल जुलूस जाना था। छात्र-छात्राएं शाम 6 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे, लेकिन आनन-फानन में जिला प्रशासन ने यह कहते हुए मशाल जुलूस की अनुमति निरस्त कर दी कि शहर का सबसे व्यस्ततम इलाका है। पुलिस-प्रशासन के आदेश के बाद एनएसयूआई ने मोबाइल टॉर्च जलाकर जुलूस निकाला। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी सरकार डर गई।

जबलपुर में मंगलवार को मध्यप्रदेश एनएसयूआई के कैपस चलो अभियान के तहत छात्रों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए विशाल मशाल जुलूस का कार्यक्रम होना था। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने आधारताल एसडीएम से कार्यक्रम के लिए अनुमति मांगी। इसकी लिखित में एसडीएम ने शाम 6 बजे से लेकर 8 बजे तक की अनुमति भी दी। ठीक कार्यक्रम वाले दिन यानी 10 दिसंबर को एक आदेश जारी कर अनुमति निरस्त कर दी गई। जिला प्रशासन के इस रवैया को लेकर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष ने विरोध जताया और सैकड़ों छात्र-छात्राओं के साथ मोबाइल टॉर्च जलाकर जुलूस निकाला। आशुतोष चौकसे ने कहा कि भाजपा सरकार का यह कदम बता रहा है कि प्रशासन का यह सब करना छात्रों के प्रति द्वेषपूर्ण और तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक विनय सक्सेना, राहुल यादव, जिलाध्यक्ष सचिन राजक,राष्ट्रीय सचिव करन नौसेतवार, अनुज यादव, साहित नादव, अमित मिश्रा, तामेसा माहर, मो अली, यशु एनखरा, अपूर्व केसरवानी, सहित भारी संख्या में छात्र उपस्थित हुए।

बस सेवा संचालन में यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए : सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा संचालन के संबंध में ली बैठक

ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक यात्रियों की आवश्यकता और इंटर सिटी मार्गों के महत्व को ध्यान में रखते हुए बसों का संचालन सुनिश्चित करें

आईटी के सभी लाभ यात्रियों को सरलता से प्राप्त हों

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा के संचालन में यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। ग्रामीण क्षेत्र के यात्रियों की आवश्यकता और इंटरसिटी मार्गों के महत्व को ध्यान में रखते हुए बसों का संचालन किया जाए। टिकट बुकिंग, बस ट्रेकिंग जैसे टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म के समस्त लाभ यात्रियों को सरलता से प्राप्त हों, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए समयसीमा निर्धारित करें तथा जल्द से जल्द प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा का संचालन आरंभ करना सुनिश्चित



किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो बस ऑपरेटर परमिट में उल्लंघित नियम शर्तों का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा आरंभ करने और इसकी संगठनात्मक संरचना, दायित्व तथा संचालन के संबंध में समत्व भवन में हुई बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर

रहे थे। बैठक में अन्य राज्यों में संचालित व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बस सेवा संचालन में लगे स्टॉप के प्रशिक्षण के लिए संभाग स्तर पर बनेंगे ट्रेनिंग सेंटर

बैठक में जानकारी दी गई की शहरी,

प्रधानमंत्री आवास योजना में 8 लाख 25 हजार हितग्राहियों के आवास निर्माण पूर्ण

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के क्रियान्वयन में अग्रणी मध्यप्रदेश

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में अब तक 8 लाख 25 हजार जरूरतमंद हितग्राहियों के आवास निर्माण पूरे किये जा चुके हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के पहले चरण में 9 लाख 45 हजार आवास स्वीकृत किये गये हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रथम चरण की क्रियान्वयन की सम्पूर्ण अवधि में मध्यप्रदेश देशभर में अग्रणी स्थान पर है। योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश और प्रदेश की कई नगरीय निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रथम चरण में प्रभावी क्रियान्वयन का श्रेय न्यूनतम दर पर आवास उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार द्वारा किये गये कई नवाचारों को जाता है। स्वीकृत आवासों के निर्माण कि लिये केन्द्रांश और राज्यांश की अनुदान राशि 19 हजार 700 करोड़ रुपये एवं क्रेडिट लिंक सव्सिडी स्कीम (सीएलएसएस) घटक के लिये ब्याज अनुदान के रूप में 3 हजार 900 करोड़ रुपये, इस प्रकार कुल राशि 23 हजार 600 करोड़ रुपये स्वीकृत की जा चुकी है।

हितग्राहियों को अब तक 22 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की शुरूआत

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की शुरूआत कर दी है। इस योजना का लाभ उन हितग्राहियों को दिया जाएगा, जिन्हें किसी कारण से आवास योजना का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभाग के मैदानी अमले को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के आवेदन संबंधी जानकारी नजदीकी नगरीय निकायों से प्राप्त की जा सकती है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये केन्द्र सरकार ने यूनीफाइड वेब पोर्टल पर भी जानकारी अपलोड की है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में 4 प्रकार के घटक हैं। इसलिये हितग्राही आवेदन करते समय अपनी पात्रता और आवश्यकता के अनुसार घटक का चयन कर सकते हैं। योजना संबंधी निर्देशिका [## भोपाल में झुगियां हटाने का विरोध करेगी कांग्रेस : पूर्व मंत्री शर्मा बोले-सड़क से सदन तक लड़ेंगे

पहले पक्के मकान बनाकर दें सरकार](https://pmaymis.gov.in/PMAY/MISW_w@wy/PMayDefault.asp& से भी प्राप्त की जा सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में देश में एक करोड़ आवास और मध्यप्रदेश में 10 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है।</p></div><div data-bbox=)

भोपाल में 1800 एकड़ में फैली कुल 388 झुग्गी हटाने के प्रयास फिर से शुरू हुए हैं। पहले फेस में वल्लभ भवन के आसपास की झुग्गी हटेगी, इसके लिए सर्वे पूरा हो गया है। इसी बीच कांग्रेस ने झुग्गी हटाने का विरोध जताया है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने बुधवार को कहा कि सड़क से लेकर सदन गरीबों के हड़ की लड़ाई लड़ी जाएगी, सरकार पहले लोगों को पक्के मकान बनाकर दें। उन्होंने कहा कि झुग्गी मुक्त के नाम पर आवास मुक्त करने का हम विरोध करते हैं। पूर्व मंत्री शर्मा वल्लभ नगर में बस्ती के सामने लोगों से मिलने पहुंचे थे। निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान, शोएब खान, कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान, पूर्व पार्षद दिलीप राय, वार्ड अध्यक्ष राम सुशील सेन, नईम बैग, मिलिंद खंडेले, रईस खान, बाबर खान आदि भी मौजूद थे।

5 नंबर मार्केट में दे चुके धरना

झुगियों को हटाने के विरोध में कांग्रेसी पांच नंबर मार्केट में भी धरना दे चुके हैं। उनका कहना है कि सरकार पहले लोगों को

आवास बनाकर दें, फिर हटाए।

तीन महीने पहले सीएम ने की थी मीटिंग



भोपाल को झुग्गी मुक्त करने के लिए करीब तीन महीने पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने मीटिंग की थी। उन्होंने झुगियों को हटाने के लिए विस्तृत प्लान बनाने को कहा था। उन्होंने कहा था कि पहले भवन तैयार करें। फिर झुगियों को खाली कराए, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

कई प्राइम लोकेशन पर बनी हैं झुग्गी

भोपाल में चाहे राजभवन से सटे इलाके में 17 एकड़ में फैली रोशनपुरा बस्ती हो या बाणगंगा, भीम नगर, विश्वकर्मा नगर जैसी 8 झुग्गी-बस्तियां शहर के बीच प्राइम लोकेशन पर करीब 300 एकड़ में फैली हैं।

इनके अलावा राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर, पंचशैल, नया बसेरा, संजय नगर, गंगा नगर, बापू नगर, शबरी नगर, ओम नगर, दामखेड़ा, उड्डिया बस्ती, नई बस्ती, मीरा नगर जैसी कुल 388 बस्तियां शहर में हैं। इन सबकी जमीन का हिसाब लगाए तो यह करीब 1800 एकड़ के आसपास है। इनमें से ज्यादातर पांश इलाकों में ही हैं।

8 महीने में भदभदा में झुगियां हटाई गईं

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (हबज़) के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने इसी साल भोपाल की भदभदा बस्ती से कुल 384 झुगियां हटा दी थीं। 4 दिन चली कार्रवाई के दौरान सियासत भी खूब गरमाई। दूसरी ओर राजधानी में अभी भी हजारों ऐसी झुग्गी हैं, जो सरकारी जमीन पर तान दी गई हैं। यही कारण है कि पिछले 4 साल में 20 इलाकों में नई बस्ती डेवलप हो गई। आरिफ नगर में तो 500 से ज्यादा झग्गी बन गई हैं। डीआईजी बंगला चौराहे से करोड़ चौराहे की ओर जाने वाले रास्ते पर रेलवे ओवरब्रिज की शुरुआत पर ही झुग्गी नजर आती हैं। यही तस्वीर बाकी जगहों पर भी देखने को मिल सकती हैं।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस से श्रीमती गुप्ता को समय पर हायर सेंटर रेफर कर बचाई गई जान

आयुष्मान भारत योजना और पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना ने किया जीवन को संरक्षित

निःशुल्क प्राप्त हुई सेवाएं

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों और आयुष्मान भारत योजना के तहत गंभीर बीमारियों से जुड़ा रहे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का अभियान निरंतर जारी है। मंगलवार को छतरपुर निवासी श्रीमती राजकुमारी गुप्ता (52 वर्ष) की पीएमश्री एयर एम्बुलेंस के माध्यम से समय पर हायर सेंटर रेफर कर उनकी जान बचाई गई। आयुष्मान योजना हितग्राही श्रीमती गुप्ता को उपचार और एयर एम्बुलेंस में सुविधा निःशुल्क प्राप्त हुई। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रदेश के हर नागरिक को समय पर और उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों। यह



सेवा उस संकल्प को साकार करती है, जिसमें जरूरतमंदों को हरसंभव मदद प्रदान कर उन्हें स्वस्थ जीवन का अधिकार दिलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती राजकुमारी गुप्ता को पेट दर्द और रक्तचाप कम होने की शिकायत पर 10 दिसंबर को जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया था। जाँच के दौरान गुप्ता को उपचार और एयर एम्बुलेंस में सुविधा निःशुल्क प्राप्त हुई। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रदेश के हर नागरिक को समय पर और उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों। यह

मरीज को चिरायु मेडिकल कॉलेज, भोपाल में निःशुल्क उपचार के लिए रेफर किया गया। मरीज को जिला अस्पताल की टीम के सहयोग से खजुराहो एयरपोर्ट तक एम्बुलेंस से पहुँचाया गया और वहां से एयर एम्बुलेंस के जरिये भोपाल भेजा गया। चिरायु मेडिकल कॉलेज में पहुँचने पर मरीज का ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और डीएसए (डिजिटल सस्ट्रेक्शन एंजियोग्राफी) जैसी एडवांस जांचें की गईं। जांच में पाया गया कि मरीज के बाएं गुर्दे में 11×7 सेमी का बड़ा और फटा हुआ एंजियोम्यालिपोमा (रक्त वाहिकाओं और वसा का दृश्य) है, जिससे लगातार रक्तस्राव हो रहा था।

मंत्री इंद्र सिंह परमार बोले-एमपी में मनाएंगे भारतीय भाषा दिवस

इंदौर में बांग्लादेश पर कहा- वो भारत का ही हिस्सा, इसलिए चिंता करने का विषय

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में मंत्री इंद्र सिंह परमार ने कहा, मध्यप्रदेश में हम आने वाले सालों में भारतीय भाषा दिवस मनाने का निर्णय कर रहे हैं। उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री परमार बुधवार को इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज में भारतीय भाषा संगम भारतीय विरासत का उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा, आज गीता जयंती है। भारतीय भाषा दिवस भी है। इस मौके पर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की भारतीय भाषा समिति, होलकर साइंस कॉलेज और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान ने भारतीय भाषा संगम का ये उत्सव रखा है। इंदौर में अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। ये वहां आए हैं। अपनी परंपराओं की अपनी भाषा में प्रदर्शनी लगाई है। लघु भारत का रूप इस कॉलेज में दिखा है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर कहा, बांग्लादेश भारत का ही हिस्सा था, इसलिए भारत के लोगों का स्वाभाविक रूप से चिंता करने का विषय है। मंत्री ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में भारत की जड़ों से जोड़ते हुए आमूलचूल परिवर्तन का काम चल रहा है। देश के सभी शिक्षाविद चिंतन - मनन कर भारत के दर्शन, सभ्यता, ज्ञान को ऐसे अवसरों पर प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा, होलकर कॉलेज ने श्रेष्ठ परंपरा शुरू की है। मध्यप्रदेश में भी हम आने वाले सालों में भारतीय भाषा दिवस मनाने का निर्णय कर रहे हैं, ताकि हर कैपस में अलग-अलग भाषा बोलने वाले लोग एकत्रित हों, विचारों का